INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-104 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 10 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जाम के अवरोधकों पर चला प्रशासन का डंडा

शहर में अवरोधक हटेंगे तो सरपट दौड़ेंगे वाहन

नए बस स्टैंड पुल के समीप रेलवे द्वारा बनाया गया फाउंडेशन, जिसे तुड़वाया गया है।

महोली रोड परिक्रमा मार्ग पर बने अवरोधक को देखते नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा आदि।

महोली रोड परिक्रमा मार्ग बना अवरोधक।

नगर मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों के साथ तलाशे जाम के कारण

संबंधित अधिकारियों और प्रभारी निरीक्षक को दिए गए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। शहर में यातायात से जुड़ी समस्या के निदान को नगर मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों के साथ स्टेट बैंक से भूतेश्वर अंडरपास तक पैदल भ्रमण किया। सरपट यातायात संचालन में बाधक बन रहे कई कारक तलाशे गए। ऐसे अवरोधकों को हटाने के लिए उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों और प्रभारी निरीक्षक को निर्देश भी दिए।

प्रशासन इन दिनों शहर की यातायात व्यवस्था को गति देने और जाम की वजह दूर करने में जुटा है। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा ने स्टेट बैंक चौराहे से भूतेश्वर अंडरपास तक पैदल निरीक्षण किया। इस दौरान उनको ऐसे स्थान मिले, जिनकी वजह से यातायात बाधित होता और जाम लगता है। यातायात को बाधित करने वाले ऐसे कारकों को चिन्हित करते हुए संबंधित अधिकारियों को इनको हटाने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट ने महोली रोड के सामने स्थित पुलिया (परिक्रमा मार्ग) और भूतेश्वर अंडरपास के पास स्थित श्रीजी बाबा आश्रम के सामने की तरफ अमरनाथ विद्या आश्रम को जाने वाले मार्ग की ओर अस्थाई रूप से विद्यमान अवरोधकों को हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों से जल्द कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान बीएसए महाविद्यालय की चारदीवारी के बाहर खाली जमीन, जिसका वर्तमान में कोई प्रयोग नहीं हो रहा है,को अस्थाई पार्किंग के लिए चिन्हित कर बीएसए कालेज प्रबंधन और नगर निगम के अधिकारियों से वार्ता की गई।

रेलवे के अवरोधक बने यातायात में बाधा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के सामने आया कि नए बस अड्डे के पास रेलवे अंडरपास के किनारे सीमेंट का फाउंडेशन रेलवे विभाग ने बनाया है, जिसके कारण यातायात संचालित किये जाने में काफी समस्या आ रही है। इस पर रेलवे के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर ऐसे निर्माण को हटाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश की तरफ जाने वाले मार्ग के आस–पास स्थित अस्थाई अवरोधों को तत्काल हटवाने के लिए संबंधित प्रभारी निरीक्षक और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

डीआरएम को लिखा पत्र

नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा का कहना है कि रेलवे से जुड़े अवरोधकों को हटाने के लिए रेलवे के डीआरएम को पत्र लिखा गया है, अन्य अधिकारियों को ऐसे अवरोधक हटाने को कहा गया है। इस काम के पूरा होते ही जाम की समस्या काफी कम होगी।

वायरल वीडियो की जांच में दो मुख्य आरक्षी निलंबित

एसएसपी ने की कार्रवाई, वृंदावन में तैनात है दोनों पुलिसकर्मी

बस को रास्ता देने पर नप गए दोनों, विभाग में मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। खाकी के दामन पर दाग लगाने वालों पर कप्तान का चाबुक चल रहा है। बीते दिनों एक दरोगा और पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के बाद बुधवार को एसएसपी ने दो मुख्य आरक्षियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए दोनों आरक्षी वृंदावन में तैनात बताए गए हैं। एसएसपी की इस कार्रवाई से पुलिसकर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बीते दिनों इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वाहनों को प्रवेश दिलाने के नाम पर पुलिसकर्मियों द्वारा पैसे लेने का आरोप लगने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। एसएसपी श्लोक कुमार ने मामले को गंभीरता से लेकर जांच कराई गई तो दो मामले सामने निकलकर आए।

एक वीडियो की जांच में सामने आया कि पैसे का लेन–देन किसी अवैध वसूली का मामला नहीं था, वह मजदूर और ठेकेदार के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा है, जिसमें पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराकर लिखित में समझौता कराया।

वहीं, दूसरे वीडियो में थाना वृंदावन के मुख्य आरक्षी राजकुमार और यातायात के मुख्य आरक्षी नरसिंह की भूमिका संदिग्ध मिली। इस वीडियो में कुछ व्यक्तियों द्वारा पर्स से पैसे निकालने के बाद बस को आगे जाने दिया गया। इस वीडियो की जांच में प्रारंभिक तौर पर अनियमितता की पुष्टि हुई।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने दोनों मुख्य आरक्षियों को निलंबित कर दिया है, पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सीओ सदर प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच में दो तथ्य निकले। एक वीडियो आपसी विवाद से जुड़ा था, जबकि दूसरे में पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। दोनों संबंधित मुख्य आरक्षियों को निलंबित कर दिया है, जांच चल रही है।

पद्म भूषण दाजी ने किया परिषद के उपाध्यक्ष आदि के साथ भ्रमण

बंशीवट में अब बबूल का स्थान लेंगे पौराणिक पौधे

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थली बंशीवट में विलायती बबूल को हटाकर अब पौराणिक और स्थानीय महत्व के पौधों का रोपण होगा। बुधवार को टीम दाजी ने पद्म भूषण दाजी और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अधिकारियों के साथ ऐसी संभावनों को लेकर वृंदावन के कई धार्मिक स्थल और यमुना घाटों का अवलोकन किया और जरूरी बातों पर चर्चा की।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के आग्रह पर वैश्विक आध्यात्मिक संस्था हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक- पद्म भूषण डॉ. कमलेश डी. पटेल (दाजी) ने परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन के साथ बंशीवट, भांडीर वन, महर्षि देवराह बाबा आश्रम, यमुना तट, कुंभ क्षेत्र और पर्यटन सुविधा केंद्र (टीएफसी) का भ्रमण किया।

वृंदावन में अवलोकन करते दाजी और टीम के सदस्य आदि, साथ हैं परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र।

बंशीवट में दाजी ने तकनीकी दल के साथ वन क्षेत्र का निरीक्षण किया। परिषद के ईको–रेस्टोरेशन प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि 19 हेक्टेयर क्षेत्र में से लगभग 13.70 हेक्टेयर भूमि पर विलायती बबूल का विस्तार है, जिसे चरणबद्ध तरीके से हटाकर कृष्णकालीन और पौराणिक महत्व के पौधे लगाए जाने हैं। मंदिर परिसर में दाजी ने ध्यान सत्र का संचालन भी किया।

इस अवसर पर दाजी ने कहा कि ब्रज केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि विश्व की आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। इसकी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है। परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने यहां के धार्मिक महत्व की दाजी को जानकारी दी।

भांडीर वन, देवराह बाबा आश्रम, कुंभ क्षेत्र स्थल,टीएफसी को देखा

इसके बाद भांडीर वन, महर्षि देवराह बाबा आश्रम, घाट और कुंभ क्षेत्र स्थल पर किए गए पौधारोपण कार्यों को देखा। पर्यटन सुविधा केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ आरपी सिंह, एसडीएम मांट, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम और हार्टफुलनेस संस्था टीम के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अब देर से जन्म-मृत्यु पंजीकरण कराना पड़ेगा और महंगा

विलंब शुल्क में दस गुना तक बढ़ोतरी

बच्चों के प्रवेश समेत कई आएंगी समस्या

यूनिक समय, मथुरा। जन्म और मृत्यु पंजीकरण को अधिक प्रभावी,पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम-1969 की नियमावली में संशोधन किया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद तय अवधि के भीतर पंजीकरण न कराने पर लोगों को पहले की तुलना में कई गुना अधिक विलंब शुल्क देना होगा।

संशोधित नियमों के अनुसार, अब जन्म या मृत्यु की घटना के 21 दिन बाद पंजीकरण कराने पर दो रुपये के बजाय

20 रुपये विलंब शुल्क देना होगा। इसी तरह 30 दिन से लेकर एक वर्ष के भीतर पंजीकरण कराने पर पहले जहां पांच रुपये शुल्क लिया जाता था, अब इसके लिए 50 रुपये जमा करने होंगे। वहीं एक वर्ष से अधिक समय बाद पंजीकरण कराने वालों को दस रुपये के स्थान पर 100 रुपये विलंब शुल्क देना पड़ेगा। निकाय प्रभारी ने बताया कि इस बदलाव का उद्देश्य लोगों को जन्म और मृत्यु का पंजीकरण समय पर कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। समय से पंजीकरण होने पर सरकारी अभिलेखों की शुद्धता बढ़ेगी, योजनाओं के लाभार्थियों का सही आंकलन हो सकेगा, जनसंख्या संबंधी आंकड़ों का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। एडीएम वित्त- राजस्व डा. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि लोग जन्म या मृत्यु होने पर निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित संबंधित निकाय कार्यालय में पंजीकरण कराएं, ताकि अतिरिक्त शुल्क के साथ-साथ अनावश्यक प्रक्रियाओं से भी बचा जा सके। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विलंब से पंजीकरण कराने वालों को बढ़े हुए शुल्क का भुगतान करना होगा।

समय पर पंजीकरण को बढ़ावा देने की कोशिश

सरकार ने यह संशोधन लोगों को समय पर पंजीकरण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया है। नए नियमों के अनुसार, जन्म या मृत्यु होने के 21 दिन के भीतर पंजीकरण कराने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। इसके बाद निर्धारित विलंब शुल्क लागू होगा। अधिकांश लोग लापरवाही या जागरूकता की कमी के कारण समय पर आवेदन नहीं करते। परिणामस्वरूप कई मामलों में वर्षों बाद प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आवेदन किए जाते हैं, जिससे रिकॉर्ड सत्यापन और दस्तावेज प्रक्रिया जटिल हो जाती है। नई व्यवस्था से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

एप से करें शराब की जांच, अवैध होने की दें सूचना

ब्रांड और बैच की जानकारी-शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

यूनिक समय, मथुरा। आप शराब पीने के शौकीन हैं। लाइसेंस शुदा दुकान से शराब खरीदकर पीतें हैं, लेकिन नशा नहीं होता है। अब ऐसा नहीं होगा, अवैध और ब्रांड और बैच की जानकारी, शिकायत के लिए आबकारी विभाग ने एप लांच किया है, जबकि हैल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।

जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग द्वारा विकसित यूपी एक्साइज सिटीजन एप के माध्यम से अब आम नागरिक मदिरा की बोतलों पर अंकित दफकोड को स्कैन कर उससे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस ऐप के जरिए उपभोक्ता मदिरा की एमआरपी, ब्रांड, बैच नंबर और अन्य आवश्यक विवरण आसानी से अपने मोबाइल फोन पर देख सकते हैं। यह ऐप एंड्रॉयड प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर निशुल्क उपलब्ध है।

जिला आबकारी अधिकारी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, भंडारण या बिक्री की जानकारी मिलती है, अथवा किसी मदिरा की गुणवत्ता या वैधता पर संदेह होता है, तो वह तुरंत इसकी सूचना विभाग को दे सकता है।

इसके लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14405, व्हाट्सएप नंबर 9454466019 और जनपद के संबंधित आबकारी अधिकारियों के सीयूजी नंबर जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचनाओं पर विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाएगी और सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

ओलावृष्टि के साथ फिर आएगा आंधी-तूफान

मौसम विभाग ने जारी किया जिले का मौसम से जुड़ा पूर्वानुमान

12-13 को ओलावृष्टि आंधी, 14 को धुंध के साथ छाएंगे बादल

यूनिक समय, मथुरा। वैसे तो कई दिन से आंधी चल रही है, लेकिन अब मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानमान जारी किया है। 12 और 13 जून को आंधी- तूफान के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना जताई है, जबकि 14 जून को धुंध के साथ आसमान में हल्के बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है। आज भी मौसम में गर्मी और उमस होने से लोग परेशान रहे। अब लोगों को मानसून की पहली बारिश का इंतजार है। मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, 12 जून को ओलावृष्टि के साथ आंधी- तूफान का अंदेशा है, जबकि 13 जून को केवल आंधी- तूफान की संभावना है। 14 मई को धुंध के साथ आसमान मे बादल छाए रह सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इसी माह मानसून जिले में दस्तक देगा, यह 26 जून तक मथुरा आ सकता है।

उमस भरी से हुई परेशानी

बुधवार को भी मौसम लोगों को परेशान करने वाला रहा। सुबह से धूप निकलने की वजह से मौसम में उमस हो गई, जिससे लोग परेशान होते रहे। आज अधिकतम मौसम 41 डिग्री सेल्सियस था, जबकि शरीर को यह 45 डिग्री सेल्सियस की भांति महसूस हो रहा था। वहीं, न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बिजली भड़का रही है उमस के तेवर

बीते दिन और पूर्व में हुई बूंदाबांदी और वर्षा भी उमस की वजह बनी है। ऐसे में पावर कट भी उमस को भड़का रहा हे। दिन में कई घंटे की कटौती और बीच-बीच में अधोषित कटोती से लोग अकुला रहे हैं। लगातार सप्लाई नहीं मिलने से फ्रिज आदि भी सही से कमा नहीं कर रहे हैं।

बजरंग बली के स्वरूप को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

यूनिक समय, राया। राष्ट्रीय हनुमान दल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र रावत ने शोभायात्राओं में मंडलियों द्वारा बजरंगबली के स्वरूप को सार्वजनिक स्थानों पर अनुचित तरीके से सड़कों पर नृत्य करवाकर प्रस्तुत करने पर एसडीएम महावन उषा सिंह को ज्ञापन देकर ऐसे कार्यक्रमों पर रोक लगाने की मांग की है। इस अवसर पर टीकाराम शर्मा, कुलदीप सिंह, महावीर सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, देवेंद्र चौधरी, प्रदीप अग्रवाल, सुमित सिंह, हरिओम चौधरी आदि मौजूद थे।

20 केवीए क्षमता के जनरेटर से विश्राम घाट रहेगा रात्रि को जगमग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने विश्राम घाट पर 20 केवीए क्षमता का जनरेटर लगाया है। इस जनरेटर का लोकार्पण महापौर विनोद अग्रवाल ने किया। कहा कि नगर निगम तीर्थयात्रियों और स्थानीय नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्राम घाट धार्मिक- सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन- पूजन के लिए आते हैं। जनरेटर के माध्यम से अब घाट, उसके आसपास के क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति और बेहतर प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी पूरा घाट क्षेत्र प्रकाशमान रहेगा।

तापमान / मौसम

41 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

29 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,49,010
22 कैरेट 1,36,592
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,50,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अग्निकांड रोकने को फायर विभाग का बड़ा अभियान

सख्ती : होटल-गेस्ट हाउस और अस्पतालों को थमाए नोटिस

होटल में फायर सिस्टम के बारे में जानकारी लेते हुए सीएफओ अरूण कुमार सिंह,एफएसओ नरेश कुमार सिंह, विक्रम सिंह आदि।

मथुरा-वृंदावन के दर्जनों प्रतिष्ठानों में मिलीं खामियां

फायर सेफ्टी से जुड़े मानक पूरे करने के लिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। देश के विभिन्न शहरों में लगातार सामने आ रही आग लगने की घटनाओं के बाद मथुरा फायर विभाग भी सतर्क हो गया है। जिले में अग्निकांड की घटनाओं को रोकने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फायर विभाग ने अभियान चलाकर होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं और अस्पतालों की जांच शुरू कर दी है। अभियान के दौरान कई प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी व्यवस्था में खामियां मिलने पर उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। फायर विभाग की इस कार्रवाई से होटल और गेस्ट हाउस संचालकों में हड़कंप मच हुआ है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है, उन्हें जल्द से जल्द सभी कमियां दूर करनी होंगी, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं अधिक होती हैं। अधिकांश हादसे बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण होते हैं, जबकि कई मामलों में लापरवाही भी बड़ी वजह बनती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, नोएडा और अन्य शहरों में हाल के दिनों में हुई भीषण अग्निकांड की घटनाओं को देखते हुए लोगों को जागरूक किया जा रहा है और सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए चेतावनी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रतिष्ठानों में लगाए गए फायर सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी एग्जिट, पानी की उपलब्धता और अन्य सुरक्षा उपकरणों की गहन जांच की जा रही है। जिन होटलों, गेस्ट हाउसों और अन्य संस्थानों में कमियां मिली हैं, उन्हें नोटिस देकर निर्धारित समय में सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। । इस दौरान एफएसओ नरेश कुमार सिंह, विक्रम सिंह यादव सहित फायर विभाग का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

इनको दिए गए हैं नोटिस

सीएफओ ने बताया कि मथुरा-वृंदावन क्षेत्र के कई बड़े प्रतिष्ठानों की जांच की गई है। इस दौरान वृंदावन स्थित रेडिसन होटल, वृंदा हेरिटेज, एसएनजे होटल सहित 20 अन्य प्रतिष्ठानों को फायर सेफ्टी मानकों में कमी पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग लगातार निगरानी कर रहा है, सभी संस्थानों को सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दहेज हत्या के मामले में वांछित पति और ससुर गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में दहेज हत्या के आरोपी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, थाना में दर्ज कराए मुकदमे में आरोप लगाया था कि उसकी पुत्री के ससुराल पक्ष के लोग पति देवेन्द्र कुमार सहित कुल 11 नामजद आरोपी शामिल हैं, ने अतिरिक्त दहेज के रूप में तीन लाख रुपये और एक बुलेट मोटरसाइकिल की मांग की थी।

मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि तीन अप्रैल 2026 को विवाहिता को जहर देकर मार दिया गया।

वादी की तहरीर के आधार पर थाना बलदेव में दहेज हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी देवेन्द्र कुमार पुत्र फूल सिंह और उसके पिता फूल सिंह पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम नगला बली को उनके घर से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक आलोक कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक इंतजार अली और अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पुराने बस अड्डे के फिर आएंगे अच्छे दिन

पीपीपी मॉडल पर होगा निर्माण, एक ही छत के नीचे मिलेंगी ठहरने, खाने और यात्रा की सुविधाएं

यूनिक समय, मथुरा। शहर के बीचों-बीच स्थित पुराने बस अड्डे के अच्छे दिन आने की उम्मीद एक बार फिर जगी है। करीब दो साल पहले पुराने बस अड्डे को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की योजना बनी थी। उस समय लोगों को उम्मीद थी कि बस अड्डा आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर नया रूप लेगा, लेकिन लंबे समय तक काम शुरू नहीं होने से यह योजना लोगों की यादों से भी लगभग ओझल हो गई। अब एक बार फिर इस परियोजना को लेकर हलचल तेज हो गई है।

पुराना बस अड्डा मथुरा का प्रमुख परिवहन केंद्र है। यहां से रोजाना हजारों यात्री और श्रद्धालु यात्रा करते हैं। देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से आने वाले श्रद्धालु भी इस बस अड्डे से हाकरे गुजरते है। एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया कि पुराने बस अड्डे को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की तैयारियां चल रही हैं। निर्माण कार्य कराने वाली संस्था ने कुछ समय पहले बस अड्डे की जमीन से मिट्टी के नमूने लिए गए हैं। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट लैब से आने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि परियोजना से जुड़ी लगभग सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। मिट्टी की रिपोर्ट मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कराने की कार्रवाई की जाएगी। विभाग का प्रयास है कि यह काम जल्द से जल्द शुरू हो,ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले बस अड्डे में यात्रियों को एक ही छत के नीचे कई सुविधाएं मिलेंगी। यहां आरामदायक प्रतीक्षालय, ठहरने की व्यवस्था, खानपान की सुविधाएं, स्वच्छ शौचालय और यात्रा से जुड़ी अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे यात्रियों को काफी राहत मिलेगी और बस अड्डे की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में हर दिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में आधुनिक सुविधाओं वाला बस अड्डा शहर की पहचान को भी नई मजबूती देगा।

अधिकमास व्यवस्था पर उठे सवाल पुलिस वालों पर भेदभाव का आरोप

यूनिक समय, गोवर्धन। अधिकमास मेले के अंतिम चरण में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने नई यातायात व्यवस्था लागू की है। इसके तहत परिक्रमा मार्ग और उससे जुड़े प्रमुख रास्तों पर निर्धारित समय के लिए वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है, ताकि परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। हालांकि व्यवस्था के क्रियान्वयन को लेकर स्थानीय लोगों और कुछ श्रद्धालुओं ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि वाहन पास होने के बावजूद कई स्थानीय नागरिकों को निर्धारित मार्गों से गुजरने की अनुमति नहीं दी जा रही है, जबकि कुछ अन्य वाहनों को निकलने दिया जा रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

मामला राजीव चौराहे का बताया जा रहा है, जहां एक महिला ने स्वास्थ्य संबंधी समस्या का हवाला देकर वाहन निकालने की अनुमति मांगी, लेकिन उसे रोके जाने का आरोप लगाया गया। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कुछ वाहनों के आवागमन को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

शेरगढ़ पुलिस ने गांजा सहित युवक को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को 1050 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। शेरगढ़ पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना- संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त पवन निवासी ग्राम सेही को गिरफ्तार किया। अभियुक्त को औधूता चौराहे पर स्थित एक दुकान के सामने से पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1050 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ।

छिनैती मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन पुलिस ने छिनैती के एक मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन, 768 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। थाना वृंदावन की टीम ने रात्रि चेकिंग के दौरान वांछित अभियुक्त केसर देव उर्फ धबली उर्फ बाबुल्ला निवासी तारापुर, थाना गोरई अलीगढ़ को रेलवे स्टेशन के कच्चे रास्ते के पास स्थित पानी की टंकी के निकट से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक अरुण कुमार त्यागी चौकी प्रभारी मथुरा गेट के नेतृत्व में की गई।

महिला अपराधों पर सख्त हुआ महिला आयोग

जनसुनवाई में दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को जनसुनवाई के दौरान आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद और बाल विवाह जैसे मामलों में संबंधित विभागों को तत्काल -प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

महिला सुनवाई के दौरान मौजूद आयोग की अध्यक्ष डा.बवीता सिंह चौहान,एसपी क्राइम श्वेता,बीएसए रतन कीर्ति आदि अधिकारीगण।

बुधवार को राजीव भवन सभागार में महिला जनसुनवाई- समीक्षा बैठक में करीब 16 महिलाएं अपनी शिकायतें लेकर आई। इनमें घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, पारिवारिक कलह और अन्य समस्याएं थी। अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, पीड़ितों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम प्रधानों के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाए जाएं और सभी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों को सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित किया जाए। पुलिस विभाग को महिला अपराधों में पैरवी कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

डॉ. चौहान ने राजकीय बाल गृह (बालिका) वृंदावन का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि

राजीव भवन सभागार में 16 पीड़िताओं की सुनीं व्यथा

महिलाओं की सहायता के लिए 112, 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन और वन स्टॉप सेंटर जैसी सेवाएं संचालित हैं। इस मौके पर एएसपी क्राइम श्वेता यादव,बीएसए रतन कीर्ति, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ० स्वाती जाडिया, हंसराज श्रम प्रवर्तन अधिकारी,विशाल कुमार जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि प्रधानाचार्य जीआईसी, प्रशांत सुचारी जिला सूचना अधिकारी, बुद्धि मिश्रा जिला कार्यक्रम अधिकारी, इन्द्रपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

बच्चों के लिए विटामिन 'ए' सम्पूरण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

फोटो205 –यूनिक समय, मथुरा। जनपद में 10 जून से शुरू हुए एक माह के विटामिन 'ए' सम्पूरण कार्यक्रम के प्रथम चरण का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक पिलाकर किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित टीकाकरण सत्रों के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से विटामिन 'ए' की खुराक निःशुल्क दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विटामिन 'ए' बच्चों को रतौंधी और अंधेपन से बचाने, कुपोषण की रोकथाम करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहितास सिंह ने बताया कि जनपद में इस अभियान के दौरान कुल 3,05,392 बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और आईसीडीएस विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयोजित वीएचएसएनडी (ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस) सत्रों पर एएनएम द्वारा बच्चों को विटामिन 'ए' की दवा पिलाई जाएगी,

बालक को विटामिन ए की खुराक पिलाकर सम्पूरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सीएमओ डॉ.राधाबल्लभ।

जबकि आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों और उनके अभिभावकों को सत्रों तक लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अधिकारियों ने कहा कि वे अपने 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को निर्धारित टीकाकरण और वीएचएसएनडी सत्रों में अवश्य लेकर आएं, ताकि उन्हें विटामिन 'ए' की खुराक का लाभ मिल सके। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश सिंह, डीसी जेएसआई ममता पाल, एएनएम ज्योति शर्मा, एचवी नीतू सिंह, एचएस नेम सिंह, बीएचडब्ल्यू विशाल कुमार, सीसी अमित कुमार सहित आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

हादसे के बाद आज रही बंदरों पर नजर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के गेट पांच की ओर से जाने वाली गली में कल सायं एक मकान का छज्जा गिरने से हुए हादसे के बाद बुधवार सुबह से बंदरों पर नजर रखी गई। कहीं फिर बंदरों की उछल कूद के कारण किसी मकान का छज्जा न गिर जाए। प्रमुख दूसरे मंदिरों के रास्तों पर पैनी नजर रखी गई।

बंदरों की शरारत किसी से छिपी नहीं है। मंदिरों की नगरी में बंदरों की फौज कहीं न कहीं कोई न कोई शरारत कर बैठती है, लेकिन शरारत में मकानों

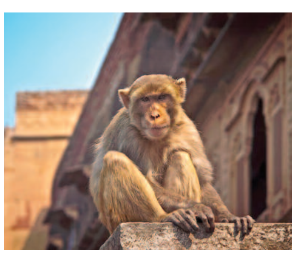

के छज्जे गिरने की चपेट में श्रद्धालुओं के आने से हर कोई दहशत में आ जाता है। कल हुए हादसे के बाद आज सुबह से मंदिरों की ओर जाने वाले संकरी गलियों में तैनात पुलिसकर्मियों की नजर तो लगी थी, लेकिन गलियों से मंदिरों की ओर आने जाने वाले

मंदिरों की संकरी गलियों में श्रद्धालु दिखाई दे रहे थे सतर्क

श्रद्धालु भी काफी सतर्क नजर आ रहे थे। वजह थी कि कल हुए हादसे की खबर मीडिया में सुर्खियों के साथ चल रही थी।

खबरों को देखने के बाद आज यहां श्रद्धालुओं के बीच कल के हादसे की चर्चा थी। हालांकि आज प्रशासन ने जर्जर भवनों की गिनती कराने के लिए अभियान शुरु करने पर जोर दिया, जिससे फिर कोई हादसा न हो सके।

द्वारकाधीश में सजा भव्य फूल बंगला भक्तों ने किए दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में बुधवार को मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में सांयकालीन शयन दर्शन के दौरान भव्य फूल बंगले का आयोजन हुआ।

रंग–बिरंगे सुगंधित पुष्पों से सजे ठाकुर जी के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भाव–विभोर हो उठे। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर में आयोजित होने वाले सभी धार्मिक कार्यक्रम मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार जी महाराज कांकरोली नरेश, तृतीय पीठाधीश्वर के निर्देशन में किए जाते है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को शयन दर्शन के समय नौका विहार उत्सव का आयोजन किया जाएगा।

पुरुषोत्तम मास के समापन पर 15 को होंगे विशेष कार्यक्रम

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट के तत्वावधान में 17 मई से प्राचीन श्रीहरिदासपीठ मंदिर में श्रीपुरुषोत्तममास में लगातार चलाए जा रहे प्रभु – भक्त सेवासत्र के अंतिम चरण में अनेक मनोहारी सेवा मनोरथ आयोजित होंगे। संपूर्ण माह चले इस विशेष सेवासत्र का समापन सोमवती अमावस्या पर15 जून को यज्ञ – हवन और भंडारे के साथ होगा। फाउंडेशन के समन्वयक गणेश प्रसाद काबरा ने बताया कि आयोजनीय श्रृंखला में 12 जून को अंतरराष्ट्रीय सेवायत परिषद् द्वारा श्रीबांकेबिहारीजी के प्रधान सेवायत गोस्वामीजगन्नाथ, अमर शहीद रूपानंद, अमरशहीद मोहनलाल और महायोद्धा सोहनलाल की पुण्यस्मृति में पूर्व आराधना

पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 13 जून को इष्ट सेवा समारोह का आयोजन ऑस्ट्रेलिया निवासी अजय भटनागर, अमित भटनागर, प्रेरणा भटनागर, पूनम भटनागर करेंगे। समारोह में हरिदासबिहारी की श्रृंगारभोग, राजभोग, आरती, भंडारा सेवाओं सहित विप्रपूजन और भक्तसेवा आदि कार्यक्रम होंगे। 14 जून को शीतल सुखसेवा के तहत विभिन्न सेवा मनोरथ ऑस्ट्रेलिया निवासी सुमेश भटनागर और श्वेता भटनागर की ओर से की जाएंगी। 15 जून को भक्त स्मृति उत्सव मनाया जाएगा।

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा पवित्र आध्यात्मिक यात्रा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा-एक सांस्कृतिक यात्रा पर केंद्रित व्याख्यान- प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डा. उमेश शर्मा ने कहा कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि में की जाने वाली अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक यात्रा है।

सत, रज, तम इन तीनों गुणों से अतीत जो परब्रह्म है, वही व्यापक है। इसीलिए उसे ही ब्रज कहते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष डा. नटवर नागर ने बताया कि वेदों में भी ब्रज शब्द का प्रयोग हुआ है। ब्रजन्ति गावो यस्मिन्नति ब्रजः, अर्थात गोचारण की स्थली ब्रज कहलाती है। सर्वप्रथम ब्रज की परिक्रमा ब्रह्मा ने की थी। इसके बाद उद्धव, महर्षि नारद, वज्रनाभ, वल्लभाचार्य और चैतन्य महाप्रभु आदि वैष्णव आचार्यों ने ब्रजयात्रा की।

विशिष्ट अतिथि गोपाल प्रसाद उपाध्याय गोप ने कहा कि अष्टछाप के कवियों ने ब्रज शब्द को गोचारण,

वृंदावन शोध संस्थान में व्याख्यान–प्रदर्शनी का शुभारंभ करते अतिथि।

गोपालन, गो और ग्वालों के विहार स्थल के रूप में वर्णित किया है। ब्रज में उत्तर प्रदेश का मथुरा जिला, राजस्थान की डीग और कामां तहसील, हरियाणा की होडल तहसील आती है।

आचार्य आलोक गोस्वामी ने कहा कि ब्रज चैरासी कोस की यात्रा ब्रज की सांस्कृतिक धरोहर है। शोध अधिकारी डा. राजेश शर्मा ने कहा कि ब्रज, ब्रज वास, ब्रज–भक्त और ब्रज यात्रा, ब्रज चौरासी कोस का महात्म्य दर्शाते हैं। संस्थान के निदेशक डा. राजीव द्विवेदी ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य ब्रज संस्कृति के विभिन्न पक्षों को सामान्य जनों के बीच जाने का प्रयास है। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा की परंपरा के बारे में प्रदर्शित किया गया है। ब्रज–यात्रा के दौरान यात्रा के पड़ाव स्थलों की भी जानकारी प्रदान की गई।

संचालन डा. करूणेश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर ठा. कालीचरण सिंह, कवि मोहनलाल गौतम मोही, डा. संजय गुप्ता, मधु त्यागी, आशीष आर्य, नरेश कुंतल, लक्ष्मण सिंह, बलरामकृष्ण गोस्वामी, सत्यनारायण दास, गोवर्धन दास, अंश द्विवेदी, विशाल दास, गोविंद दास और श्रीधर दास आदि उपस्थित थे।

तमिल छात्रों के दिलों में बस गया जीएलए और ब्रज का अपनापन

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में आयोजित दस दिवसीय भारतीय भाषा इंटर्नशिप प्रोग्राम 2.0 का भावपूर्ण वातावरण में समापन हो गया। कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के कोयंबटूर के विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा, ब्रज संस्कृति, भारतीय ज्ञान परंपरा, योग, अध्यात्म, आयुर्वेद और भारतीय जीवन मूल्यों का अध्ययन किया , अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उनके जीवन की अविस्मरणीय सीख बन गया है। समापन समारोह में विद्यार्थियों और आयोजकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव स्पष्ट दिखाई दिया।

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय भाषा इंटर्नशिप कार्यक्रम में मौजूद कोयंबटूर तमिलनाडु के छात्र–छात्राएं। साथ हैं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और अन्य।

समापन अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि कुछ रिश्तों को किसी नाम की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें केवल हृदय से महसूस किया जाता है। पिछले दस दिनों में विद्यार्थियों के साथ जो आत्मीय संबंध बना है, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो परिवार का कोई सदस्य विदा हो रहा हो। उन्होंने कहा कि चाहे विद्यार्थियों ने हिंदी सीखी हो या नहीं, लेकिन सभी ने प्रेम की भाषा अवश्य सीखी है और यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धि है। कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की सरलता, अनुशासन, सीखने की जिज्ञासा और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान ने सभी का हृदय जीत लिया।

सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन इंडियन नॉलेज सिस्टम के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिनव तिवारी ने कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए अत्यंत भावनात्मक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि दस दिन पहले विद्यार्थी अपने सामान के साथ विश्वविद्यालय परिसर में आए थे, लेकिन अब वे अपने साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं, मूल्यों और पारस्परिक सम्मान की अमूल्य पूंजी लेकर जा रहे हैं।

भारतीय भाषा समिति की कंसलटेंट डा. रचना विश्वकर्मा ने कहा कि दस दिवसीय भारतीय भाषा शिविर अनेक महत्वपूर्ण सीख और अनुभवों के साथ संपन्न हुआ है। वीबीयूएसएस की वाइस प्रेसीडेंट प्रो. कुशा तिवारी ने उन्होंने बताया कि कोयंबटूर से आए 50 विद्यार्थी अब वीबीयूएसएस के सांस्कृतिक दूत बन चुके हैं, जो अपने क्षेत्र में भारत की सांस्कृतिक एकता और भाषाई विविधता का संदेश आगे बढ़ाएंगे। वीबीयूएसएस के प्रांत अध्यक्ष डा. कनोडिया ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक यात्रा रही है। कोयंबटूर के श्रीकृष्ण आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज की असिस्टेंट

कुलपति बोले– भाषा सीखी या नहीं, लेकिन हम सबने प्रेम की भाषा जरूर सीखी

प्रोफेसर डा. प्रियदर्शिनी ने जीएलए विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां का वातावरण एक परिवार जैसा अनुभव कराता है। विश्वविद्यालय का हराभरा परिसर, आत्मीय मेजबानी, विद्यार्थियों और शिक्षकों का सहयोग,सीखने का सकारात्मक माहौल अत्यंत प्रभावशाली रहा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का अनूठा अवसर प्रदान किया है। दस दिनों तक चले इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा, श्रीमद्भागवत गीता, प्राचीन भारतीय आयुर्वेद, योग-ध्यान, भारतीय दर्शन, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान सुने। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संवाद सत्रों, खेल गतिविधियों और ब्रज क्षेत्र के भ्रमण ने कार्यक्रम को और अधिक जीवंत बना दिया। बीएससी सॉफ्टवेयर सिस्टम्स की छात्रा कविया डीएम ने कहा कि वह श्रीकृष्ण आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज और जीएलए विश्वविद्यालय की आभारी हैं, जिन्होंने उन्हें इस विशेष कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर दिया। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन आयोजित योग सत्रों ने शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक एकाग्रता और आत्मिक संतुलन को मजबूत किया। श्रीमद्भागवत गीता पर हुए व्याख्यानों से जीवन मूल्यों, आत्मानुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की गहन समझ विकसित हुई। आयुर्वेद से जुड़े सत्र भी अत्यंत ज्ञानवर्धक रहे। वृंदावन, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, रमणरेती, रसखान समाधि और विभिन्न संग्रहालयों की यात्राएं उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहीं।

गणित और तर्कशक्ति ने बढ़ाई अभ्यर्थियों की मुश्किल

16 केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा, 2458 अभ्यर्थी अनुपस्थित

डीएम–एसएसपी ने किया निरीक्षण, कैमरों से हर गतिविधि पर रखी नजर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में दो दिन से चल रही पुलिस भर्ती परीक्षा का समापन हुआ। बुधवार को 16 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। परीक्षा के दौरान सुरक्षा और निगरानी के व्यापक इंतजाम किए गए थे। परीक्षा देकर बाहर निकले कई अभ्यर्थियों ने बताया कि प्रश्नपत्र में गणित से जुड़े प्रश्न कुछ कठिन थे। प्रथम पाली में कुल 6240 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4995 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1245 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

प्रेम देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज से पुलिस परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी।

वहीं द्वितीय पाली में भी 6240 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 5027 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 1213 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, बायोमीट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, कंट्रोल रूम संचालन, प्रवेश प्रक्रिया और परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री के सर्वाधिक समय तक रहने को लेकर मंदिर में हुई महाआरती

यूनिक समय,मथुरा। प्राचीन केशव देव मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री बनने पर कृष्णा नगर मंडल द्वारा नागरिक और कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक आरती- कीर्तन कर और फूल बंगला सजाया गया। सोनू गोस्वामी, मुन्नीलाल गोस्वामी ने भगवान का अभिषेक करते हुए प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य दीर्घायु- उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं मथुरा–वृंदावन के विधायक श्रीकांत शर्मा ने ठाकुर जी भजन सुनाए गए। इस मौके पर सोहन लाल शर्मा,महानगर अध्यक्ष राजू यादव, पार्षद नीरज वशिष्ठ, मुकेश खंडेलवाल, राजू चौधरी, नितिन कौशिक, लोकेश तायल, टीटू राघव, सिद्धार्थ वशिष्ठ, कनिष्क शर्मा, पूजा चौधरी, विजय बंसल, बिहारी लाल गोस्वामी, दिलीप पांडे, मुकेश वाजपेयी, डॉली पटेल, नारायण प्रसाद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

एलएलजी पब्लिक स्कूल में छात्रों ने सीखी ब्लड प्रेशर जांचने की विधि

ब्लड प्रेशर चैक करते एलएलजी पब्लिक स्कूल के छात्र।

यूनिक समय, मथुरा। जनकपुरी स्थित एलएलजी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र के प्रति प्रेरित कर उन्हें डॉक्टर बनने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर छात्रों को ब्लड प्रेशर (रक्तचाप) की जांच करने के सामान्य नियमों और सावधानियों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि सही तरीके से रक्तचाप मापना स्वास्थ्य परीक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक सोच और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक होते हैं। अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

श्री द्वारकाधीश विवाह महोत्सव 12 जून को

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में सफायर इंटरनेशनल क्लब मथुरा के द्वारा श्री द्वारकाधीश का विवाह महोत्सव ब्यावला मनोरथ 12 जून को श्री द्वारकाधीश मंदिर में मनाया जाएगा। भव्य शोभायात्रा मंडी रामदास मधुराम स्वीट से सांय चार बजे श्री द्वारकाधीश मंदिर तक निकाली जाएगी

एमबीए छात्र–छात्राओं को मिले समर इंटर्नशिप के 108 ऑफर

प्रतिष्ठित कंपनियां विद्यार्थियों को देंगी व्यावहारिक प्रशिक्षण और स्टाइपेंड

विभिन्न कम्पनियों में इंटर्नशिप के लिए चयनित राजीव एकेडमी के एमबीए प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा के एमबीए प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं को प्रतिष्ठित कम्पनियों में समर इंटर्नशिप के 108 आफर मिले हैं। चयनित छात्र–छात्राओं को समर इंटर्नशिप के दौरान प्रतिष्ठित कम्पनियों में जहां कॉर्पोरेट जगत में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा, वहीं उन्हें कार्य संस्कृति को समझने और प्रबंधन कौशल निखारने में मदद मिलेगी। इंटर्नशिप के दौरान कंपनियां छात्र–छात्राओं को सम्मानजनक स्टाइपेंड भी प्रदान करेंगी।

कॉर्पोरेट रिसोर्स विभाग के प्रमुख डॉ. विकास जैन ने बताया कि राजीव एकेडमी के एमबीए छात्र–छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में समर इंटर्नशिप के 108 आफर मिले हैं। संस्थान के कॉर्पोरेट रिसोर्स विभाग के प्रयासों से चयनित छात्र–छात्राएं प्रतिष्ठित कंपनियों एजूकॉन डिजिटल, आउटलुक इंडिया, लर्नेक्स, एस्पायर कंसल्टेंट्स, कविश टेक्नोलॉजी, आरएक्स मेडिकल ट्रस्ट, कोटक महिंद्रा बैंक आदि में प्रशिक्षण हासिल करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान इन छात्र–छात्राओं को कंपनियां सम्मानजनक स्टाइपेंड भी प्रदान करेंगी।

डॉ. विकास जैन ने कहा कि इंटर्नशिप एमबीए पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से छात्र–छात्राओं को उद्योगों की कार्यप्रणाली, कार्य संस्कृति, प्रबंधन कौशल और वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों को समझने का अवसर मिलता है।

संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि समर इंटर्नशिप छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व-करियर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे छात्र–छात्राओं को उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलता है। डॉ. सक्सेना ने कहा कि राजीव एकेडमी छात्र–छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ ही उन्हें व्यावसायिक कौशल विकास के अधिकाधिक अवसर मुहैया कराती रहती है, ताकि वे हर प्रतिस्पर्धी परीक्षा और साक्षात्कार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपना करियर संवार सकें।

संस्थान के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने सभी चयनित छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें जो अवसर मिला है, उसका अधिकाधिक लाभ उठाएं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि राजीव एकेडमी सदैव छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ उन्हें उद्योगों से जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि समर इंटर्नशिप के माध्यम से छात्र–छात्राएं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत कर सकते हैं। संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल और मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने भी चयनित छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके सफल और उज्ज्वल करियर की कामना की।

स्व. बालमुकुंद कसेरे की स्मृति में श्रद्धालुओं को बांटी गई शिकंजी

स्व. बालमुकुंद कसेरे की स्मृति में शिंकजी बटवाते जल पुरूष।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में समाजसेवी- उद्योगपति प्रमोद गर्ग कसेरे ने अपने स्व. पिता बालमुकुंद कसेरे की स्मृति में गिर्राज महाराज की तलहटी में श्रद्धालुओं के लिए शिकंजी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य का परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं ने भरपूर लाभ उठाया और आयोजकों की सराहना की। प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि सेवा और परोपकार भारतीय संस्कृति की पहचान है, अपने पूर्वजों की स्मृति में समाजहित के कार्य करना सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं को ठंडी शिकंजी वितरित की गई, जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिली। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, व्यापारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

गुनगुना पानी और हेल्दी डाइट से फैटी लिवर रहेगा कंट्रोल में

सुबह की यह आदत लिवर को रखेगी हेल्दी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान के कारण फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल एक सामान्य परेशानी नहीं है, बल्कि समय रहते ध्यान न देने पर गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। लिवर शरीर का महत्वपूर्ण अंग है, जो विषैले तत्वों को बाहर निकालने, पाचन क्रिया को बेहतर बनाने और कई जरूरी कार्यों को संचालित करने में अहम भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सुबह की कुछ अच्छी आदतें अपनाकर लिवर को स्वस्थ रखा जा सकता है। दिन की शुरुआत गुनगुने पानी से करना सबसे आसान और प्रभावी उपाय माना जाता है। गुनगुना पानी शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ

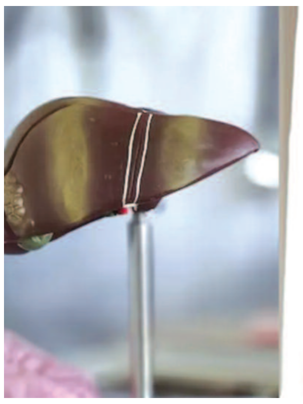

मेटाबॉलिज्म को भी सक्रिय करता है। इसमें नींबू का रस मिलाकर पीने से अतिरिक्त लाभ मिल सकता है, क्योंकि नींबू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं। फैटी लिवर से बचाव के लिए सुबह का नाश्ता पौष्टिक और फाइबर युक्त होना चाहिए। ओट्स, ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और सलाद पाचन तंत्र को बेहतर बनाते हैं और लिवर पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ने देते। इसके अलावा दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है, ताकि

फैटी लिवर है तो सुबह करें ये काम

शरीर से अपशिष्ट पदार्थ आसानी से बाहर निकल सकें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ तले-भुने खाद्य पदार्थों, अधिक चीनी और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाने की सलाह देते हैं। नियमित व्यायाम, योग और सुबह की सैर भी लिवर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद करती है। वहीं धूम्रपान और शराब जैसी आदतें लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए इनसे बचना जरूरी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, संतुलित आहार और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर फैटी लिवर की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

धनिया के बीज से भी हो सकता है बैली फैट कम

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में मोटापा एक ऐसी समस्या बन चुका है जो लगभग हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। खासकर पेट के आसपास जमा होने वाली चर्बी यानी बेली फैट लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी बन गई है। खराब खानपान, अनियमित दिनचर्या, कम शारीरिक गतिविधि और ज्यादा मीठे या तैलीय भोजन का सेवन इस समस्या को और बढ़ा देता है। गर्मियों के मौसम में लोग अक्सर सोचते हैं कि पसीना आने से वजन कम हो जाएगा, लेकिन हकीकत में इस दौरान गलत डाइट और ठंडी मीठी ड्रिंक्स के कारण पेट की चर्बी और भी बढ़ सकती है। आयुर्वेद में धनिया के बीज को एक प्राकृतिक औषधि माना गया है जो शरीर के संतुलन को बनाए रखने में मदद करते हैं। ये बीज वात, पित्त और कफ को संतुलित करने का काम करते हैं, जिससे पाचन तंत्र बेहतर होता है। जब पाचन सही तरीके से काम करता है तो शरीर में अनावश्यक फैट जमा होने की

संभावना कम हो जाती है। विशेष रूप से गर्मियों में बढ़ने वाले पित्त को नियंत्रित करने में धनिया के बीज काफी मददगार माने जाते हैं, जिससे शरीर में सूजन कम होती है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। कुछ रिसर्च और परंपरागत उपयोगों के अनुसार, धनिया के बीज ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में भी सहायक होते हैं। जब शरीर का शुगर लेवल स्थिर रहता है, तो इंसुलिन स्पाइक कम होते हैं और शरीर अतिरिक्त ग्लूकोज को फैट में बदलने से बचता है। यही कारण है कि धनिया के बीज को वजन घटाने और खासकर पेट की चर्बी कम करने के घरेलू उपायों में शामिल किया जाता है। धनिया के बीज का उपयोग करना भी बहुत आसान है। इसके लिए रात में दो चम्मच धनिया के बीज एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को हल्का गर्म करके छान लें और उसमें थोड़ा सा नींबू रस मिलाकर खाली पेट पिएं। इस ड्रिंक में किसी भी तरह की चीनी या मिठास नहीं मिलानी चाहिए। नियमित रूप से 21 दिनों तक इसका सेवन करने से शरीर में हल्कापन महसूस हो सकता है और पाचन प्रक्रिया बेहतर हो सकती है। हालांकि यह भी जरूरी है कि केवल किसी एक घरेलू उपाय पर निर्भर न रहा जाए। इसके साथ संतुलित आहार, पर्याप्त पानी का सेवन और नियमित व्यायाम भी जरूरी है। रोजाना कम से कम 20 से 30 मिनट की वॉक, समय पर भोजन करना और जंक फूड व कोल्ड ड्रिंक्स से दूरी बनाना बेली फैट को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस तरह धनिया के बीज एक सरल और प्राकृतिक तरीका हो सकते हैं जो स्वस्थ जीवनशैली के साथ मिलकर पेट की चर्बी को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।

लौकी का यह कोफ्ता खाकर भूल जाएंगे दूसरी सब्जियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। लौकी का नाम सुनते ही अक्सर बच्चों से लेकर बड़ों तक कई लोग मुंह बनाने लगते हैं। हालांकि पोषण से भरपूर यह सब्जी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है। अगर आप भी लौकी को स्वादिष्ट तरीके से अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं तो लौकी का कोफ्ता एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह ऐसी डिश है जिसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि जो लोग लौकी खाना पसंद नहीं करते, वे भी इसे चाव से खाने लगते हैं।लौकी में भरपूर मात्रा में पानी, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाने में मदद करती है। गर्मियों के मौसम में लौकी का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है क्योंकि यह शरीर को ठंडक पहुंचाने

का काम करती है। जब इसे मसालों और बेसन के साथ मिलाकर कोफ्ते के रूप में तैयार किया जाता है तो इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। लौकी का कोफ्ता बनाने के लिए सबसे पहले लौकी को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसे कद्दूकस कर लें। इसके बाद उसमें थोड़ा नमक मिलाकर उसका अतिरिक्त पानी निकाल दें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, बेसन, अदरक-लहसुन का पेस्ट, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, अजवायन, काली मिर्च और हल्दी मिलाकर अच्छी तरह तैयार कर लें। इस मिश्रण से छोटे-छोटे कोफ्ते बनाकर गर्म तेल में सुनहरा होने तक तल लें। इसके बाद ग्रेवी तैयार करें। कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म कर जीरा तड़काएं। फिर प्याज का पेस्ट डालकर भूनें और उसमें टमाटर की प्यूरी मिलाएं। जब मसाला अच्छी तरह पक जाए तो उसमें नमक, हल्दी और गरम मसाला डालें। कुछ देर पकाने के बाद आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर ग्रेवी तैयार करें। अब इसमें तले हुए कोफ्ते डालकर कुछ मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। तैयार लौकी का कोफ्ता रोटी, पराठे या चावल के साथ परोसा जा सकता है। इसका स्वाद इतना शानदार होता है कि घर के सभी सदस्य इसे पसंद करते हैं। साथ ही यह पोषण और स्वाद का बेहतरीन संतुलन भी प्रदान करता है। अगर आप रोज़मर्रा की सब्जियों से कुछ अलग और खास बनाना चाहते हैं, तो लौकी का कोफ्ता आपकी रसोई के लिए एक शानदार रेसिपी साबित हो सकता है। यह डिश स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी पूरा ध्यान रखती है।

सुबह की दलिया खीर से दूर होगी कमजोरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में अक्सर लोग कमजोरी, थकान और सुस्ती की समस्या से परेशान रहते हैं। तेज धूप, पसीना और अनियमित खानपान शरीर की ऊर्जा को कम कर देते हैं, जिससे दिनभर एक्टिव रहना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सुबह का पौष्टिक नाश्ता शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर सुबह का भोजन पोषक तत्वों से भरपूर हो तो शरीर की थकान कम हो सकती है और एनर्जी लेवल बेहतर रहता है। इसी कारण दलिया खीर को एक हेल्दी और एनर्जी देने वाली रेसिपी माना जाता है। दलिया खीर में दलिया, दूध, मखाना, बादाम, काजू, गोंद कतीरा और सब्जा सीड्स जैसे पोषक तत्व शामिल होते हैं। ये सभी

बेहतरीन विकल्प हो सकती है हेल्दी दलिया खीर एक

चीजें प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और हेल्दी फैट से भरपूर होती हैं, जो शरीर की कमजोरी दूर करने में मदद करती हैं। गोंद कतीरा शरीर को ठंडक देता है, जबकि ड्राई फ्रूट्स और मखाना ताकत बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस रेसिपी को बनाने के लिए सभी ड्राई फ्रूट्स को रातभर भिगोकर रखा जाता है और सुबह उन्हें हल्का भूनकर दलिया और दूध के साथ पकाया जाता है। इसमें इलायची और मिश्री मिलाकर स्वाद और पोषण दोनों बढ़ाए जाते हैं। यह खीर न केवल स्वादिष्ट होती है बल्कि शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा भी देती है। नियमित रूप से इस दलिया खीर का सेवन शरीर को दिनभर एक्टिव रखने में मदद कर सकता है और पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है। यह बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए एक हेल्दी ब्रेकफास्ट विकल्प साबित हो सकता है।

फिटकरी से पीले दांत साफ करने का आसान तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। दांतों का पीलापन और मुंह की बदबू आज के समय में एक आम समस्या बन चुकी है। गलत खानपान, मीठे पदार्थों का अधिक सेवन और सही ओरल हाइजीन न रखने के कारण दांतों पर प्लाक जमने लगता है। ऐसे में फिटकरी को एक पारंपरिक घरेलू उपाय के रूप में उपयोग किया जाता है। फिटकरी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं, जो मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को कम करने में मदद करते हैं। यह दांतों की सफाई में सहायक हो सकती है और प्लाक को हटाने में मदद करती है। हालांकि इसका उपयोग सीमित मात्रा में और सावधानी के साथ करना जरूरी है। फिटकरी का उपयोग कई तरीकों से किया जा सकता है। सबसे आम तरीका है फिटकरी को पानी में घोलकर कुल्ला करना। इसे हफ्ते में दो से तीन बार इस्तेमाल करने से मुंह की सफाई बेहतर होती है और सांसों में ताजगी बनी रहती है। दूसरा तरीका है फिटकरी को हल्का भूनकर उसका

फिटकरी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण दांतों की सफाई

बारीक पाउडर बनाना। इस पाउडर को बहुत हल्के हाथों से ब्रश पर लगाकर दांतों की सफाई की जा सकती है। ध्यान रहे कि इसे ज्यादा जोर से न रगड़ें, वरना दांतों की ऊपरी परत को नुकसान हो सकता है। कुछ लोग फिटकरी को सेंधा नमक या लौंग के तेल के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं, जिससे दांतों की गंदगी और मसूड़ों की समस्या कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि दांतों की बेहतर सेहत के लिए नियमित ब्रशिंग और सही खानपान भी बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिटकरी जैसे घरेलू उपाय सहायक हो सकते हैं, लेकिन इन्हें नियमित डेंटल केयर का विकल्प नहीं बनाना चाहिए। सही आदतों के साथ इसका सीमित उपयोग ही बेहतर परिणाम दे सकता है।

सुविचार

दूसरों की मदद करने से मन को सच्ची शांति और खुशी मिलती है।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी 12:58-10:36 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी 08:16-06:28 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय	5:27 AM	चन्द्रोदय	01:48 AM
सूर्यास्त	7:10 PM	चंद्रास्त	03:10 PM
सूर्य राशि	वृषभ राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM -12:45 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	02:10 PM: 03:44 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

भागवत पुराण की ये पौराणिक कथा

संसार में कब और कैसे हुई थी शिवलिंग की उत्पत्ति !

यूनिक समय, मथुरा। अगर भागवत पुराण की बात की जाए, तो इस पुराण में भगवान शिव के शिवलिंग स्वरूप की उत्पत्ति से जुड़ी एक कहानी मिलती है। तो आइए जानते हैं इस पौराणिक कथा के बारे में और जानते हैं शिवलिंग की उत्पत्ति के बारे में।

भगवान शिव को भोलेनाथ, महादेव, शिव–शंभू आदि कई नामों से संबोधित किया जाता है।

माना जाता है कि जब इस संसार में कुछ भी नहीं था। तब भी भगवान शंकर शिवलिंग के रूप में इस धरती पर विद्यमान थे। लेकिन भगवान शिव के शिवलिंग स्वरूप की कैसे उत्पत्ति हुई, इस बारे में कई पुराणों में अलग–अलग कहानियां मिलती हैं।

शिवलिंग की उत्पत्ति की कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन अगर भगवत पुराण की बात की जाए, तो इस पुराण में भगवान शिव के शिवलिंग स्वरूप की उत्पत्ति से जुड़ी एक कहानी मिलती है। तो आइए जानते हैं इस पौराणिक कथा के बारे में और जानते हैं शिवलिंग की उत्पत्ति के बारे में...

पौराणिक कथा

भागवत पुराण की पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु और सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी में बहस छिड़ गई कि दोनों में कौन अधिक श्रेष्ठ है। दोनों ही देवता खुद को अधिक शक्तिशाली सिद्ध करने की होड़ में विवाद करने लगे। तब आकाश से एक विशालकाय शिवलिंग उपस्थित हुआ, जोकि भगवान शंकर का प्रतिनिधित्व करता था। इसके बाद आकाश से आवाज आई कि विष्णु और ब्रह्माजी में से जो भी देव इस दिव्य चमकीले पत्थर का छोर पा लेगा, वह अधिक शक्तिशाली माना जाएगा।

तब भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी उस शिवलिंग के छोर को ढूंढने लगे, लेकिन उनको इसका अंत नहीं मिला। इसके बाद श्रीहरि विष्णु ने हार मान ली, लेकिन ब्रह्माजी ने झूठ का सहारा लेकर खुद को श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया। ब्रह्मा जी ने कहा कि उनको इस दिव्य पत्थर का छोर मिल गया है, लेकिन अंत में ब्रह्मा जी का झूठ पकड़ा और महादेव स्वयं प्रकट हुए। तब उन्होंने बताया कि यह शिवलिंग उनका स्वरूप है। भगवान शंकर ने कहा कि यह शिवलिंग वहीं हैं और न तो उनका अंत है और न आरंभ।

शिवलिंग का अर्थ

बता दें कि महादेव की शिवलिंग को एक दिव्य ज्योति मानी जाती है। मान्यता के अनुसार, जीव, बुद्धि, आसमान, वायु, मन, चित्त, आग, पानी और पृथ्वी से शिवलिंग का निर्माण हुआ है और यह पूरे ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करता है।

माना जाता है कि शिवलिंग की उत्पत्ति संसार में सबसे पहले हुई थी। वहीं शिवलिंग की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। जो भी जातक पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव से महादेव की पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं।

प्रेमानंद महाराज ने बताया कार में भगवान की फोटो लगाना सही या गलत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में प्रवचन करने वाले प्रेमानंद महाराज का कहना है कि जहां भगवान की मूर्ति रहती है या भगवान का नाम लिखा होता है, वह पवित्र स्थान हो जाता है। ऐसी जगह पर साफ–सफाई और पवित्रता का विशेष ध्यान रखना चाहिए और आप ऐसा नहीं कर सकते तो न मूर्ति रखें और न नाम लिखवाएं। क्योंकि जब भी आप कार या वाहन धोते हैं तो भगवान के नाम और मूर्ति पर भी पानी जा सकता है। यह पानी जमीन पर गिरता है और पैरों के नीचे आता है। इस तरह हम जाने–अनजाने में भगवान का अपमान करते हैं। हम जितना भी भगवान की मूर्ति और उनके नाम का आदर करेंगे, उतना ही उनकी कृपा पाएंगे।

इसके अलावा वाहन नया रहने पर लोग कार में भगवान का चित्र और मूर्ति तो लगा लेते हैं, लेकिन जैसे–जैसे समय बीतता है उत्साह ठंडा हो जाता है। हम साफ–सफाई भी नहीं रखते। चित्र और मूर्ति पर धूल–मिट्टी और गंदगी पड़ती रहती है, जो कि ठीक नहीं है। साथ ही कई बार लोग गंदे हाथ भगवान को लगा देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार भगवान की मूर्ति को लेकर स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। धूल–मिट्टी को साफ करने के लिए स्वच्छ कपड़े का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यदि ऐसा नहीं कर पाते हैं तो आपको अपनी कार या वाहन में भगवान का चित्र नहीं लगाना चाहिए और न ही मूर्ति रखनी चाहिए। वरना भूलवश हम भगवान का अपमान करते रहेंगे और उनको नाराज कर लेंगे। इसके दुष्परिणाम झेलने पड़ेंगे और अप्रिय घटना का सामना करना पड़ सकता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार देवता का स्थान शुद्ध और पवित्र होना चाहिए। ऐसे में जो लोग सिगरेट और शराब के लती हैं और वो कार में बैठकर सिगरेट और शराब पीने, नॉनवेज खाने के शौकीन हैं, उन्हें अपनी कार में किसी भी भगवान की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। यदि आप मूर्ति रखते हैं तो ये सावधानियां रखनी चाहिए ..

कार की डैशबोर्ड पर मूर्ति, भगवान का नाम हो तो ये नियम मानें। नियमित रूप से भगवान की तस्वीर, मूर्ति, नाम की साफ कपड़े से साफ–सफाई करें और पूजा करें। कार धोते समय इन पर गंदा पानी न पड़े, बल्कि गंगाजल से धोएं और पूरी तरह से सूखने के बाद ही कार में प्रवेश करें। मूर्ति को ऐसी जगह स्थापित करें, जहां गंदे हाथ न पहुंचे या गंदगी न हो। कार में कभी भी सिगरेट और शराब न पिएं, न ही नॉनवेज, प्याज, लहसुन खाएं। कार में जिस जगह भगवान की तस्वीर रखी है, वहां कभी भी कोई खिलौना या फिर कोई भी सामान न रखें। भगवान की मूर्ति कार चलने से अपनी जगह से बार–बार खिसक रही है तो उसे हटा दें। वास्तु शास्त्र के अनुसार माना जाता हैं कि अगर भगवान की मूर्ति या तस्वीर बार–बार अपनी जगह से खिसक या गिर रही हैं।

लगातार बनी हुई है धन की समस्या, तो आज ही आजमाएं ये वास्तु टिप्स

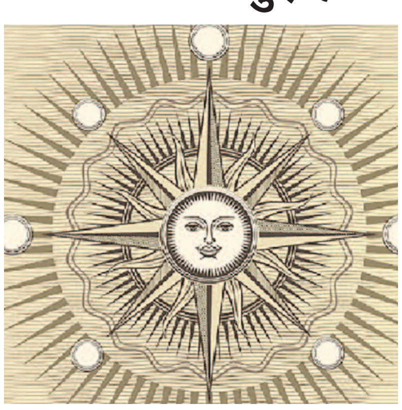

यूनिक समय, मथुरा। कई बार व्यक्ति को अच्छा–खासा कमाने के बाद भी धन की समस्या बनी रहती है। वास्तु शास्त्र में बताए गए उपाय व्यक्ति को न केवल वास्तु दोष से दूर रखते हैं, बल्कि धन लाभ भी पहुंचाते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं धन लाभ के लिए कुछ आसान वास्तु उपाय, जिन्हें आपको जरूर आजमाना चाहिए।

वास्तु के अनुसार, कर्ज से जल्द मुक्ति पाने के लिए घर या दुकान की उत्तर दिशा में धन रखना चाहिए, क्योंकि वास्तु मान्यताओं के अनुसार, यह दिशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार मानी जाती हैं। इसके साथ ही इस दिशा में धन की देवी लक्ष्मी और कुबेर देव का भी वास माना गया है। इसलिए इस दिशा में धन रखने से धन संबंधी समस्याओं में लाभ मिलने लगता है।

हिंदू धर्म में दीपक को ज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। वहीं वास्तु शास्त्र में यह माना गया है कि शाम को मुख्य द्वार पर घी का दीपक जलाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, दीपक को प्रवेशद्वार पर इस प्रकार रखना चाहिए कि घर से निकलते समय दीपक आपके दाएं हाथ की तरफ हो।

सुहागिन महिला को श्रृंगार कर क्यों दी जाती है अंतिम विदाई?

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में जन्म से लेकर मृत्यु तक हर संस्कार का विशेष महत्व माना जाता है। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण परंपरा है कि यदि किसी विवाहित महिला की मृत्यु उसके पति के जीवित रहते हो, तो अंतिम संस्कार से पहले उसे सिंदूर, चूड़ियां, बिंदी और अन्य सुहाग चिह्नों से सजाकर विदाई दी जाती है। पहली नजर में यह परंपरा सामान्य लोगों को अलग लग सकती है, लेकिन इसके पीछे गहरी धार्मिक मान्यताएं और सांस्कृतिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार पति के जीवित रहते महिला की मृत्यु को "सधवा मृत्यु" कहा जाता है। इसे स्त्री के अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में माना जाता है कि महिला अपने जीवन के अंतिम क्षण तक सुहागिन रही, इसलिए उसकी अंतिम विदाई भी उसी सम्मान और पहचान के साथ की जानी चाहिए।

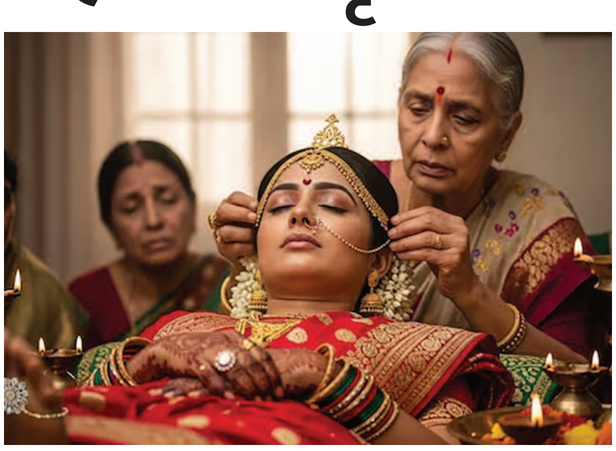

धार्मिक आस्था, सम्मान और सौभाग्य की परंपरा से जुड़ा है संस्कार

अंतिम संस्कार से पहले मृतका को लाल, पीले या गुलाबी रंग के वस्त्र पहनाए जाते हैं।

माथे पर सिंदूर लगाया जाता है, हाथों में चूड़ियां पहनाई जाती हैं और कई परिवारों में पारंपरिक रूप से सोलह श्रृंगार भी कराया जाता है। यह केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि उस महिला के प्रति सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है, जिसने अपने जीवन में पत्नी, मां और परिवार की सदस्य के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाईं।

धर्माचार्यों के अनुसार हिंदू धर्म में पुनर्जन्म की अवधारणा का विशेष महत्व है। लोक मान्यताओं के अनुसार व्यक्ति जिस स्थिति और भाव के साथ इस संसार से विदा होता है, उसका प्रभाव उसकी अगली यात्रा पर भी पड़ सकता है। इसी विश्वास के आधार पर सुहागिन महिला को श्रृंगार करके विदा किया जाता है, ताकि उसकी आत्मा को शांति मिले और उसे अगले जन्म में भी सौभाग्य प्राप्त हो। हालांकि इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन करोड़ों लोग इन्हें आस्था और परंपरा के रूप में मानते हैं।

धार्मिक ग्रंथों और लोक परंपराओं में भी अंतिम संस्कार से जुड़े विभिन्न संस्कारों का उल्लेख मिलता है। यही वजह है कि आधुनिक समय में भी देश के अनेक हिस्सों में यह परंपरा जीवित है। बदलती जीवनशैली के बावजूद परिवार अपनी प्रिय सदस्य को उसकी वैवाहिक पहचान और सम्मान के साथ अंतिम विदाई देना अपना कर्तव्य मानते हैं। यही कारण है कि मृत सुहागिन महिला को सिंदूर, चूड़ियां और अन्य सुहाग चिन्हों से सजाकर विदा करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि श्रद्धा, सम्मान और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है।

सम्पादकीय

मोबाइल की दुनिया में किताबों ने जगाई उम्मीद

एक समय था जब बच्चों के हाथों में कहानी की किताबें और पत्रिकाएं दिखाई देती थीं। आज उनकी जगह मोबाइल फोन और टैबलेट ने ले ली है। स्क्रीन पर लगातार बढ़ती निर्भरता ने पढ़ने की आदत को कमजोर किया है। इसका असर केवल शिक्षा पर ही नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और संवेदनशीलता पर भी पड़ रहा है। ऐसे दौर में कुछ लोग अपने छोटे–छोटे प्रयासों से समाज को बड़ा संदेश दे रहे हैं। दक्षिण भारत से सामने आए दो उदाहरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि बदलाव के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती। चेन्नई के एक राशन विक्रेता ने दुकान पर इंतजार कर रहे लोगों के लिए छोटी लाइब्रेरी शुरू कर दी। दूसरी ओर, केरल के एक चाय विक्रेता ने अपनी दुकान को किताबों का खजाना बना दिया। इन दोनों पहलों ने साबित कर दिया कि यदि सोच सकारात्मक हो तो किसी भी जगह को ज्ञान का केंद्र बनाया जा सकता है।

पवन गौतम
संपादक

आज दुनियाभर में यह चिंता बढ़ रही है कि डिजिटल उपकरण बच्चों को पुस्तकों से दूर कर रहे हैं। यही कारण है कि कई विकसित देश भी अब पारंपरिक शिक्षा पद्धति की ओर लौट रहे हैं। स्वीडन और नॉर्वे जैसे देशों ने शुरुआती शिक्षा में किताब, कागज और कलम के महत्व को फिर से स्वीकार किया है। शोध भी बताते हैं कि मुद्रित पुस्तकों को पढ़ने से समझने, याद रखने और विश्लेषण करने की क्षमता बेहतर होती है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

वास्तव में किताबें केवल जानकारी नहीं देतीं, वे विचार देती हैं। वे मनुष्य को सोचने, प्रश्न पूछने और दुनिया को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। मोबाइल पर मिलने वाली त्वरित सूचनाएं क्षणिक हो सकती हैं, लेकिन पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान लंबे समय तक साथ रहता है।

जरूरत इस बात की है कि परिवार और समाज मिलकर बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित करें। घर में किताबों के लिए जगह हो, पुस्तक उपहार देने की परंपरा बढ़े और बच्चों को पुस्तकालयों से जोड़ा जाए। यदि हम नई पीढ़ी को केवल स्क्रीन का उपभोक्ता नहीं, बल्कि विचारशील नागरिक बनाना चाहते हैं तो उसे किताबों से जोड़ना ही होगा।

डिजिटल युग में किताबों की ओर लौटने की यह छोटी–सी मुहिम भविष्य के लिए बड़ी उम्मीद बन सकती है। क्योंकि जिन समाजों में पढ़ने की आदत जीवित रहती है, वहीं विचार, ज्ञान और संस्कार भी जीवित रहते हैं।

नजरिया

परीक्षा व्यवस्था पर गहराता संकट और टूटता भरोसा

योगेश कुमार गोयल

देश में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल शैक्षणिक मूल्यांकन का माध्यम नहीं रह गई हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों और उनके भविष्य का आधार बन चुकी हैं। एक परीक्षा का परिणाम किसी छात्र के जीवन की दिशा तय करता है। ऐसे में यदि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर ही प्रश्नचिह्न लगने लगें तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था की समस्या नहीं रहती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। हाल के वर्षों में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, मूल्यांकन संबंधी विवाद और परीक्षा प्रक्रियाओं में धांधली के मामलों ने यह संकेत दिया है कि देश की परीक्षा प्रणाली गहरे संकट से गुजर रही है।

नीट–यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना इस संकट का सबसे बड़ा और चिंताजनक उदाहरण है। लगभग 23 लाख अभ्यर्थियों ने महीनों नहीं बल्कि वर्षों तक कठिन परिश्रम करके इस परीक्षा की तैयारी की थी। उनके माता–पिता ने आर्थिक और मानसिक स्तर पर अनेक त्याग किए थे, लेकिन प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के कारण पूरी परीक्षा ही निरस्त करनी पड़ी। इससे लाखों छात्रों के सपनों को गहरा आघात पहुंचा है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जांच के दौरान परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। यदि संस्थान के भीतर बैठे लोग ही गोपनीयता और निष्पक्षता के साथ समझौता करने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है।

पेपर लीक की घटनाएं अब अपवाद नहीं रह गई हैं। पिछले कुछ वर्षों में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने की शिकायतें सामने आई हैं। तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ अपराधियों के तौर–तरीके भी बदल गए हैं। अब व्हाट्सएप, टेलीग्राम, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से प्रश्नपत्र मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंचाए जा सकते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम नहीं है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि बार–बार होने वाली इन घटनाओं के बावजूद सुधार की गति इतनी धीमी क्यों है। प्रत्येक घोटाले के बाद जांच समितियां बनती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं और सुधारों की घोषणाएं भी की जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देते। परिणामस्वरूप हर नई परीक्षा के साथ छात्रों और अभिभावकों के मन में आशंका बनी रहती है कि कहीं फिर कोई गड़बड़ी सामने न आ जाए।

परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों का एक बड़ा कारण इसकी जटिल संरचना भी है। प्रश्नपत्र तैयार करने, छापने, सुरक्षित रखने और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की

प्रक्रिया में कई स्तर शामिल होते हैं। अनेक स्थानों पर निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की भी भूमिका होती है। जितने अधिक स्तर होंगे, गोपनीयता भंग होने की संभावना भी उतनी ही बढ़ेगी। यही वह क्षेत्र है जहां संगठित गिरोह अपनी पैठ बनाकर पूरे सिस्टम को प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं।

दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का तेजी से विस्तार भी इस समस्या को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग और सरकारी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाएं अब एक विशाल आर्थिक बाजार का रूप ले चुकी हैं। सफलता की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कुछ लोग शॉर्टकट अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। इसी मानसिकता का लाभ उठाकर शिक्षा माफिया सक्रिय रहता है। वे अभिभावकों और छात्रों को भ्रमित करके अवैध तरीकों से सफलता दिलाने का झूठा भरोसा देते हैं। इससे न केवल परीक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि मेहनत और ईमानदारी के मूल्यों को भी आघात पहुंचता है।

परीक्षा प्रणाली का संकट केवल पेपर लीक तक सीमित नहीं है। हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर भी गंभीर सवाल उठे। डिजिटल मूल्यांकन व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना था, लेकिन अनेक छात्रों ने मूल्यांकन संबंधी गड़बड़ियों की शिकायत की। कुछ मामलों में उत्तर पुस्तिकाओं की गुणवत्ता को लेकर प्रश्न उठे तो कुछ छात्रों ने अपेक्षा से बहुत कम अंक मिलने पर आपत्ति दर्ज कराई। तकनीक का उपयोग स्वागत योग्य है, लेकिन यदि उसके क्रियान्वयन में पर्याप्त तैयारी और परीक्षण न हो तो वही तकनीक नई समस्याएं पैदा कर सकती है।

इसी प्रकार कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न परीक्षाओं में भी समय–समय पर धांधली, तकनीकी गड़बड़ियों और प्रॉक्सी उम्मीदवारों के मामलों का खुलासा हुआ है। यह संकेत देता है कि समस्या किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर परीक्षा प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। आधुनिक तकनीकों का दुरुपयोग कर अपराधी परीक्षा केंद्रों तक पहुंच बना रहे हैं और निगरानी तंत्र को चुनौती दे रहे हैं।

इन घटनाओं का सबसे अधिक दुष्प्रभाव उन छात्रों पर पड़ता है जो पूरी ईमानदारी और लगन के साथ तैयारी करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र विशेष रूप से प्रभावित होते हैं। उनके लिए प्रतियोगी परीक्षा केवल करियर का अवसर नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक बदलाव का माध्यम होती है। जब परीक्षा रद्द होती है या परिणामों पर संदेह पैदा होता है, तब उन्हें दोबारा तैयारी, अतिरिक्त खर्च और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। कई बार यह निराशा उनके आत्मविश्वास को भी प्रभावित करती है।

इससे भी बड़ा खतरा समाज में बढ़ते अविश्वास का है। यदि युवाओं को यह लगने लगे कि सफलता योग्यता से नहीं बल्कि प्रभाव, धन या अवैध साधनों से प्राप्त की जा सकती है, तो यह लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती होगी। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी प्रतिभा और मेहनत पर आधारित होती है। यदि प्रतिभाशाली युवाओं का विश्वास व्यवस्था से उठने लगे तो इसका दूरगामी प्रभाव पूरे समाज पर पड़ सकता है। समस्या के समाधान के लिए केवल जांच और गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं हैं। आवश्यकता व्यापक और स्थायी सुधारों की है।

परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए डिजिटल एन्क्रिप्शन आधारित प्रश्नपत्र प्रबंधन प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। प्रश्नपत्रों को अंतिम समय तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और परीक्षा केंद्रों पर नियंत्रित डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराया जाए। संवेदनशील कार्यों में आउटसोर्सिंग को सीमित किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, पेपर लीक और परीक्षा धांधली को संगठित आर्थिक अपराध की श्रेणी में रखकर कठोर दंड का प्रावधान किया जाना चाहिए। साइबर निगरानी तंत्र को मजबूत बनाते हुए उन डिजिटल नेटवर्कों पर विशेष नजर रखनी होगी जो अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं। नई तकनीकों को लागू करने से पहले उनका व्यापक परीक्षण और कर्मचारियों का समुचित प्रशिक्षण भी अनिवार्य होना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार, शिक्षा संस्थानों और प्रशासन को इस चुनौती को सामान्य समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व के विषय के रूप में देखना होगा। परीक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल करना केवल छात्रों के हित में नहीं, बल्कि देश के भविष्य की आवश्यकता है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो प्रत्येक परीक्षा संदेह के घेरे में आ सकती है। तब सबसे बड़ी क्षति किसी एक परीक्षा या संस्था की नहीं होगी, बल्कि उन करोड़ों युवाओं के विश्वास की होगी जिनके सपनों पर भारत के भविष्य की इमारत खड़ी है।

विचार विण्डो

गांवों की समृद्धि से ही बनेगा विकसित भारत का मार्ग

विप्र गोयल

भारत को अक्सर गांवों का देश कहा जाता है। यह केवल एक भावनात्मक कथन नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक वास्तविकता भी है। आज भी देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और कृषि, पशुपालन तथा उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में यदि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करना है, तो इसकी शुरुआत गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने से ही होगी। जब तक ग्रामीण भारत की आय, क्रय शक्ति और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार नहीं होगा, तब तक समग्र आर्थिक विकास का सपना अधूरा ही रहेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था को यदि एक विशाल पिरामिड माना जाए तो उसका सबसे बड़ा आधार ग्रामीण भारत है। देश के लाखों गांवों में रहने वाले करोड़ों परिवार खेती, पशुपालन और कृषि आधारित गतिविधियों से अपनी आजीविका चलाते हैं। इनके ऊपर छोटे दुकानदार, स्वरोजगार से जुड़े लोग, सूक्ष्म उद्योग और फिर मध्यम तथा बड़े उद्योगों का ढांचा खड़ा है। यदि इस पिरामिड का आधार कमजोर रहेगा तो ऊपर की पूरी संरचना भी स्थिर नहीं रह सकती। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चिंता ग्रामीण आय की धीमी वृद्धि को लेकर है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ने के बावजूद किसानों की आय अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाई है। बढ़ती लागत, मौसम की अनिश्चितता, छोटे जोत आकार और बाजार संबंधी चुनौतियां किसानों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रही हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण परिवारों की क्रय शक्ति सीमित बनी हुई है। जब आम ग्रामीण परिवार अपनी बुनियादी जरूरतों से आगे खर्च करने की स्थिति में नहीं होगा, तब बाजार में मांग का विस्तार भी नहीं हो पाएगा। किसी भी अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार उपभोग यानी खपत होती है। उद्योग तभी उत्पादन बढ़ाते हैं, जब बाजार में उनके उत्पादों की मांग हो। यदि गांवों में लोगों के पास खर्च करने के लिए पर्याप्त आय नहीं होगी तो कपड़ा, फर्नीचर, घरेलू उपकरण, वाहन और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री भी सीमित रहेगी। इसका सीधा असर उद्योगों, व्यापार और रोजगार पर पड़ता है। यही कारण है कि अर्थशास्त्री लंबे समय से ग्रामीण मांग को आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन मानते रहे हैं।

हाल के वर्षों में कई उद्योगों ने घरेलू मांग में सुस्ती की चिंता व्यक्त की है। उत्पादन क्षमता होने के बावजूद अनेक क्षेत्रों में विस्तार की गति अपेक्षा से कम है। इसका एक बड़ा कारण ग्रामीण बाजारों में क्रय शक्ति का पर्याप्त स्तर तक न पहुंच पाना है। यदि गांवों में आय बढ़ेगी तो सबसे

पहले स्थानीय दुकानों, छोटे कारोबारियों और सेवा क्षेत्र को लाभ मिलेगा। इसके बाद इसका सकारात्मक प्रभाव मध्यम उद्योगों और बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों तक पहुंचेगा। इस प्रकार आर्थिक गतिविधियों का एक सशक्त चक्र विकसित होगा।

ग्रामीण विकास का अर्थ केवल कृषि उत्पादन बढ़ाना नहीं है। इसके लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। खेती को लाभकारी बनाने के साथ–साथ कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना होगा। खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, जैविक खेती और ग्रामीण हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में रोजगार के व्यापक अवसर मौजूद हैं। यदि इन क्षेत्रों को आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता और बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए तो गांवों में आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं।

इसके साथ ही ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना भी अत्यंत आवश्यक है। अच्छी सड़कें, सिंचाई सुविधाएं, बिजली, इंटरनेट और भंडारण व्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। आज डिजिटल तकनीक ने नए अवसर पैदा किए हैं। ई–कॉमर्स और डिजिटल भुगतान व्यवस्था के माध्यम से गांवों के उत्पाद सीधे बड़े बाजारों तक पहुंच सकते हैं। इससे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी। शिक्षा और कौशल विकास भी ग्रामीण समृद्धि के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। बड़ी संख्या में युवा गांवों से शहरों की ओर रोजगार की तलाश में पलायन करते हैं। यदि स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो यह पलायन कम हो सकता है। ग्रामीण युवाओं को कृषि के साथ–साथ आधुनिक तकनीकी, उद्यमिता और सेवा क्षेत्र से जुड़े कौशल प्रदान करने की आवश्यकता है।

महिला सशक्तीकरण भी ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को गति दे सकता है। स्वयं सहायता समूहों और लघु उद्यमों के माध्यम से लाखों महिलाओं ने आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। यदि उन्हें वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराया जाए तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल सकती है। भारत की विकास यात्रा में गांवों की भूमिका केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्र देश की परंपराओं, मूल्यों और सामाजिक संरचना के वाहक हैं। इसलिए गांवों का विकास केवल आय बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं के विस्तार पर भी समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। केवल महानगरों की चमक, ऊंची इमारतें और बड़े निवेश किसी देश को विकसित नहीं बनाते। वास्तविक विकास तब होता है जब गांव का किसान, मजदूर, महिला और युवा भी आर्थिक प्रगति में समान भागीदार बने। यदि ग्रामीण भारत मजबूत होगा तो बाजार मजबूत होगा, उद्योग मजबूत होंगे और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास की रणनीति में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को केंद्र में रखा जाए। कृषि सुधार, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, बुनियादी ढांचे का विकास और रोजगार सृजन जैसे उपायों के माध्यम से गांवों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए। यही वह रास्ता है जो भारत को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे ले जा सकता है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा उलटफेर

जो रूट से छिनी नंबर वन की कुर्सी

नंबर–1 की कुर्सी से हुए बेदखल

दो पायदान चढ़कर पहुंचे टॉप–10 में

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी की ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इस बार कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। सबसे बड़ा झटका इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को लगा है, जो लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट के नंबर–1 बल्लेबाज बने हुए थे। अब उनकी जगह इंग्लैंड के युवा स्टार हैरी ब्रूक ने शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया है। नई रैंकिंग के अनुसार हैरी ब्रूक 869 रेटिंग अंकों के साथ दुनिया के नंबर–1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा मिला है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड भी एक पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 853 अंक है। जो रूट को दो स्थान का नुकसान हुआ है और वे 851 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में जो रूट का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पहली पारी में वह सिर्फ एक रन बना सके, जबकि दूसरी पारी में उनके बल्ले से केवल आठ रन निकले।

इसी का असर उनकी रैंकिंग पर भी देखने को मिला और उन्हें नंबर–1 की कुर्सी गंवानी पड़ी। रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को एक स्थान का फायदा हुआ है और वे पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन एक स्थान नीचे खिसककर छठे नंबर पर आ गए हैं। भारतीय क्रिकेट के लिए सबसे अच्छी खबर कप्तान शुभमन गिल से जुड़ी है। गिल ने दो स्थान की शानदार छलांग लगाकर आठवां स्थान हासिल कर लिया है। हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में उनके बल्ले से 126 रनों की बेहतरीन पारी निकली थी, जिसका सीधा फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला। हालांकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वे अब नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं श्रीलंका के दिनेश चांदीमल दसवें स्थान पर काबिज हैं। ताजा रैंकिंग ने टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

525 दिन तक सिनेमाघरों में चली थी राजेंद्र कुमार की ये फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। 61 साल बाद भी कायम है रिकॉर्ड, गानों और कहानी ने जीता था दर्शकों का दिल हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राजेंद्र कुमार को 'जुबली कुमार' के नाम से जाना जाता था। उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लंबा सफर तय करती थीं, लेकिन साल 1965 में रिलीज हुई फिल्म 'आरजू' ने सफलता का ऐसा इतिहास रचा, जिसे आज भी याद किया जाता है। रामानंद सागर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजेंद्र कुमार के साथ साधना, फिरोज खान, नाजिमा और नाजिर हुसैन जैसे कलाकार नजर आए थे। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और यह लगातार 75 सप्ताह यानी 525 दिनों तक सिनेमाघरों में चलती रही। इसी शानदार प्रदर्शन के कारण फिल्म को प्लैटिनम जुबली का दर्जा मिला। 'आरजू' की सफलता के पीछे इसकी भावनात्मक कहानी, दमदार अभिनय और शानदार संगीत का बड़ा योगदान था। फिल्म के

525 दिनों तक थिएटर में चली थी फिल्म

गीत 'ऐ फूलों की रानी' और 'बेदर्दी बालमा' आज भी संगीत प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। मोहम्मद रफी की आवाज ने इन गानों को अमर बना दिया। फिल्म उस दौर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में भी शामिल रही। 61 साल बाद भी 'आरजू' का यह रिकॉर्ड हिंदी सिनेमा के सबसे खास रिकॉर्ड्स में गिना जाता है। यही वजह है कि यह फिल्म आज भी राजेंद्र कुमार के शानदार करियर की सबसे यादगार फिल्मों में शुमार की जाती है।

कुमुद राणे के निधन से बॉलीवुड में शोक

सलमान की आंखें हुई नम, दोस्त के निधन से सदमे में खान परिवार

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान का एक भावुक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अभिनेता को अपनी भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है। दरअसल, सलमान खान की करीबी दोस्त कुमुद राणे का निधन हो गया है, जिसके बाद पूरा खान परिवार गहरे शोक में डूब गया है। मुंबई में हुए अंतिम संस्कार में सलमान खान के साथ उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। कुमुद राणे सिर्फ सलमान खान की दोस्त ही नहीं थीं, बल्कि खान परिवार के बेहद करीब मानी जाती थीं। उनकी शादी सलमान के करीबी मित्र जग्गी राणे से हुई थी। वर्षों से कुमुद और खान परिवार के बीच पारिवारिक रिश्ते जैसे संबंध थे। परिवार के लगभग हर खास मौके पर उनकी मौजूदगी रहती थी और वे सलमान खान के मित्रों के दायरे का अहम हिस्सा थीं। कुमुद राणे दुबई में रहने वाली एक सफल उद्यमी थीं। उन्होंने वर्ष 2005 में 'रन ब्यूटी बार' नामक ब्यूटी और वेलनेस वेंचर की शुरुआत की थी। उनका उद्देश्य एक ऐसा प्रीमियम ब्यूटी सेंटर तैयार करना था, जहां ग्राहकों को एक ही छत के नीचे बेहतर सेवाएं मिल सकें। ब्यूटी इंडस्ट्री के अलावा उन्हें इंटीरियर डिजाइनिंग, सोशल मीडिया और मार्केटिंग में भी खास रुचि थी। हालांकि कुमुद राणे लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती थीं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट खान परिवार और बॉलीवुड के कई सितारों के साथ उनकी नजदीकियों की झलक दिखाते थे। उनका रिश्ता सिर्फ सलमान खान तक सीमित नहीं था, बल्कि सोहेल खान, अर्पिता खान, सीमा सजदेह और परिवार के अन्य सदस्यों से भी बेहद खास था। कुमुद राणे के निधन के बाद

दुबई की सफल उद्यमी और खान परिवार की करीबी मित्र

सोहेल खान ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए उन्हें अपनी बहन बताया। उन्होंने लिखा कि उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। वहीं अर्पिता खान ने भी कुमुद के साथ बिताए पलों को याद करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। कुमुद राणे का निधन केवल उनके परिवार और दोस्तों के लिए ही नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए बड़ा झटका है जो उन्हें करीब से जानते थे। उनके जाने से खान परिवार ने एक बेहद करीबी सदस्य और सच्चा दोस्त खो दिया है। यही वजह है कि उनके अंतिम संस्कार में सलमान खान की आंखें नम नजर आईं और पूरा परिवार भावुक दिखाई दिया।

चार साल डेटिंग, फिर गुपचुप रचाई थी शादी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सपना चौधरी संग चार साल डेटिंग के बाद की थी शादी, अब विवादों में आए वीर साहू नई दिल्ली। हरियाणवी डांसर और सिंगर सपना चौधरी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने पति वीर साहू के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद लोग उनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। वीर साहू हरियाणवी इंडस्ट्री के जाने–माने सिंगर, गीतकार और स्टेज परफॉर्मर हैं। उन्हें अक्सर 'हरियाणा का बब्बू मान' कहा जाता

चार साल डेटिंग के बाद 2020 में की थी कोर्ट मैरिज

है। उनका पहला चर्चित गाना 'थड्डी–बड्डी' काफी लोकप्रिय रहा था। अपनी दमदार आवाज और अलग अंदाज के कारण उन्होंने कम समय में बड़ी पहचान बनाई। सपना चौधरी और वीर साहू ने करीब चार साल तक एक–दूसरे को डेट किया। इसके बाद जनवरी 2020 में दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। परिवार में शोक होने के कारण शादी को निजी रखा गया था। बाद में उनके बेटे के जन्म के साथ यह जानकारी सार्वजनिक हुई। फिलहाल दोनों के रिश्ते में तनाव की खबरें सुर्खियों में हैं और मामला कानूनी प्रक्रिया तक पहुंच चुका है।

डेब्यू में छाए मानव सुथार, आईसीसी रैंकिंग में मिली एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत को एक नया क्रिकेट सितारा मिल गया है। कुछ दिन पहले तक जिस नाम से क्रिकेट प्रशंसक ज्यादा परिचित नहीं थे, आज वही खिलाड़ी सुर्खियों में छाया हुआ है। युवा स्पिनर मानव सुथार ने अपने टेस्ट डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन कर न सिर्फ क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा, बल्कि आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी जगह बना ली है। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में मानव सुथार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला। कप्तान शुभमन गिल ने जब उन्हें डेब्यू कैप सौंपी तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह युवा खिलाड़ी अपने पहले ही मैच में इतिहास रच देगा। मानव ने बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान दिया और 41 गेंदों पर 28 रन बनाए, जिसमें दो चौके और दो छक्के शामिल रहे। हालांकि असली कमाल उन्होंने गेंदबाजी में दिखाया। पहली पारी में मानव ने 22 ओवर में सिर्फ 33 रन देकर छह विकेट अपने नाम किए। उनकी गेंदबाजी इतनी प्रभावशाली रही कि अफगानिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। खास बात यह रही कि उन्होंने अपने 22 ओवरों में 10 मेडन ओवर भी डाले। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट हासिल किया और भारत को पारी और 300 रन की बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन के चलते मानव सुथार को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके साथ ही वे भारत के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए और उसी मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। मानव के प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भी देखने को मिला। उन्होंने सीधे 72वें स्थान पर एंट्री की है और उनकी रेटिंग 272 अंक है। डेब्यू मैच के बाद इतनी जल्दी रैंकिंग में जगह बनाना किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि माना जाता है। इस बीच मानव सुथार को इंग्लैंड की प्रतिष्ठित रोथेसे काउंटी चैंपियनशिप में खेलने का भी मौका मिला है। खबरों के अनुसार उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। ऐसे में अब क्रिकेट प्रेमियों की नजर इस युवा खिलाड़ी पर रहेगी, जो अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता नजर आ रहा है।

पंचायत चुनाव की फाइनल वोटर लिस्ट जारी

पंचायत चुनाव से पहले नई मतदाता सूची ने बढ़ाई हलचल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सभी जिलों ने पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है।

दावों–आपत्तियों के निस्तारण और व्यापक सत्यापन के बाद तैयार की गई इस सूची में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इस बार आयोग ने प्रत्येक पंचायत मतदाता को 9 अंकों का यूनिक पहचान नंबर दिया है, जिससे मतदाताओं की पहचान और रिकॉर्ड प्रबंधन अधिक व्यवस्थित हो सकेगा। हालांकि, सूची जारी होते ही कई जिलों में तकनीकी समस्याएं सामने आईं, जिसके चलते मतदाताओं को सूची डाउनलोड करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार, संशोधन अभियान के बाद करीब 1.81 करोड़ नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जबकि 1.41 करोड़ नाम हटाए गए हैं। इस तरह पंचायत मतदाता सूची में कुल 40.19 लाख मतदाताओं की शुद्ध बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उधर, ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो चुका है। चुनाव कार्यक्रम घोषित न होने के कारण सरकार ने मौजूदा प्रधानों को अगले छह माह तक प्रशासक के रूप में जिम्मेदारी सौंप दी है। पंचायत

प्रदेश में जुड़े करीब 40 लाख नए मतदाता

चुनाव की राह में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा भी अहम बना हुआ है। सरकार ने इसके लिए एक पिछड़ा वर्ग आयोग गठित किया है, जिसे जिलावार सामाजिक और आर्थिक स्थिति का अध्ययन कर रिपोर्ट देनी है। वहीं, इस मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट भी नजर बनाए हुए है और आयोग से जुलाई में रिपोर्ट मांगी गई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पंचायत चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव के बीच तालमेल बड़ा मुद्दा बन सकता है। ऐसे में सभी की निगाहें अब आयोग की अगली घोषणा और चुनाव कार्यक्रम पर टिकी हुई हैं।

मंदिर के सरोवर में मचा हड़कंप, दो किशोर डूबे

यूनिक समय,गोरखपुर । गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। भौवापार स्थित शिव मंदिर परिसर के सरोवर में नहाने गए दो किशोर गहरे पानी में डूब गए। काफी प्रयासों के बाद एक किशोर को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं दूसरे किशोर की तलाश देर शाम तक जारी रही। घटना के बाद इलाके में शोक और तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बेलीपार क्षेत्र के बगही गांव निवासी शिवम गुप्ता (16) अपने एक दोस्त के साथ भौवापार स्थित शिव मंदिर पहुंचे थे। मंदिर परिसर में स्थित सरोवर में दोनों नहाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहाते समय दोनों किशोर अनजाने में गहरे पानी की ओर चले गए और देखते ही देखते डूबने लगे। उनकी चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके की ओर दौड़े और उन्हें बचाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने तत्काल सरोवर में उतरकर दोनों किशोरों को खोजने का प्रयास किया, लेकिन शुरुआती कोशिशें सफल नहीं हो सकीं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और मंदिर परिसर में मौजूद लोग सरोवर के आसपास एकत्र हो गए। काफी मशक्कत के बाद शिवम गुप्ता को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। सूचना पर बेलीपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने शिवम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरे किशोर की तलाश के लिए पुलिस, स्थानीय गोताखोरों और बचाव दल की मदद से अभियान शुरू किया गया। बाद में एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया, जो सरोवर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। हादसे की खबर मिलते ही शिवम के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है। लोगों का कहना है कि सरोवर काफी गहरा है और यहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे पहले भी हादसों की आशंका जताई जाती रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दूसरे किशोर की तलाश जारी है और उसे खोजने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में तालाबों, सरोवरों और गहरे जलाशयों में नहाते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

कपसाड़ हत्याकांड के आरोपी पारस सोम को बालिग माना गया

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के चर्चित कपसाड़ कांड में जेजे बोर्ड ने आरोपी पारस सोम को बालिग घोषित कर दिया है। मेडिकल जांच के आधार पर बोर्ड ने माना कि वारदात के समय उसकी उम्र 18 वर्ष, 7 माह और 26 दिन थी। इसके बाद उसे बाल संप्रेक्षण गृह से मुख्य जेल में शिफ्ट किया जाएगा और मामले की सुनवाई अब सामान्य अदालत में होगी। यह मामला 8

कपसाड़ कांड का आरोपी किशोर नहीं

जनवरी का है, जब सरधना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में एक दलित युवती के अपहरण का आरोप पारस सोम पर लगा था। घटना के दौरान युवती की मां सुनीता गंभीर रूप से घायल हुई थीं, जिनकी बाद में मौत हो गई थी। इसके बाद गांव में तनाव फैल गया था। आरोपी पक्ष ने हाईस्कूल प्रमाणपत्र के आधार पर उसे नाबालिग बताया था, लेकिन वादी पक्ष ने दस्तावेजों पर सवाल उठाए। जेजे बोर्ड ने मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें पारस की उम्र 18 वर्ष से अधिक पाई गई। फैसले के बाद अब उसे किशोर न्याय कानून का लाभ नहीं मिलेगा।

कानपुर में फर्जी डिग्री रैकेट का भंडाफोड़

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर पुलिस ने बेकनगंज में पिछले 13 वर्षों से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी डिग्री और मार्कशीट रैकेट का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह देशभर में कूरियर के जरिए नकली डिग्रियां और मार्कशीट भेजता था, जबकि विदेशों में ग्राहकों को उनकी पीडीएफ कॉपी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाती थी। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और बोर्डों की मार्कशीट, डिग्री तथा शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की हूबहू डिजाइन तैयार करते थे। फर्जी दस्तावेजों के लिए ग्राहकों से करीब 10 हजार रुपये तक वसूले जाते थे। भरोसा बढ़ाने के लिए आरोपियों ने नकली वेबसाइटें भी बना रखी थीं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह का नेटवर्क कानपुर, नोएडा और हैदराबाद से लेकर ब्रिटेन और कनाडा तक फैला हुआ था। विदेशों में मौजूद उनके सहयोगियों को पहले से विशेष कागज उपलब्ध कराया जाता था, जिस पर दस्तावेज प्रिंट कर ग्राहकों को सौंपे जाते थे। पुलिस अब इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक बढ़ा दी गई है।

नोएडा में सीएम योगी के आगमन की आहट

यूनिक समय, नोएडा । 15 जून को प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर नोएडा में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को देखते हुए सेक्टर–96 स्थित नोएडा प्राधिकरण के नए कार्यालय के पास हेलीपैड तैयार किया जा रहा है। इसी दिन नोएडा प्राधिकरण के नए कार्यालय, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ी परियोजनाओं और सिटी बस सेवा के शुभारंभ की संभावना है। प्रशासन और प्राधिकरण कार्यक्रम स्थल को आकर्षक बनाने में जुटे हैं। सड़कों के डिवाइडरों पर पौधे लगाए जा रहे हैं, जबकि हरियाली बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है। प्राधिकरण के अधिकारी लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रम से पहले व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त कर ली जाएं और किसी भी तरह की कमी न रहने पाए। संभावित दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

पुलिस भर्ती परीक्षा देने जा रही युवती की पिता समेत मौत

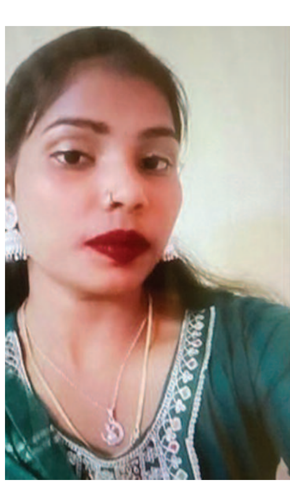

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। पुलिस भर्ती परीक्षा देने जा रही 20 वर्षीय आंचल सोनकर और उनके पिता पृथ्वीनाथ सोनकर की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, रामनगर के कोदूपुर निवासी पृथ्वीनाथ सोनकर अपनी बेटी आंचल को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के लिए जौनपुर जा रहे थे। उनके साथ कटेसर, मुगलसराय निवासी दिनेश सोनकर बाइक चला रहा था। सुबह करीब छह बजे जब वे फूलपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी–जौनपुर हाईवे पर नागापुर गांव के पास पिंडरा बाइपास पहुंचे, तभी पीछे से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर पीछे बैठे पिता–पुत्री सड़क पर गिर गए और ट्रक के पहिये के नीचे आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक दिनेश दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल युवक को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडरा ले जाया गया, जहां से उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। आंचल पुलिस विभाग में भर्ती होकर वर्दी पहनने का सपना देख रही थीं और उसी

वर्दी का सपना अधूरा रह गया

ट्रक के नीचे आने से बेटी और पिता की दर्दनाक मौत

सपने को पूरा करने के लिए परीक्षा देने जा रही थीं। लेकिन परीक्षा केंद्र पहुंचने से पहले ही सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। बेटी के भविष्य के लिए साथ निकले पिता भी इस हादसे का शिकार हो गए। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपी चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बरेली में स्कूल संचालक से 49 लाख की साइबर ठगी

यूनिक समय, बरेली। बरेली में साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर एक स्कूल संचालक को ऐसा झांसा दिया कि चार महीने में उनके खाते से 49 लाख रुपये से अधिक की रकम निकलवा ली। हालांकि समय रहते शिकायत करने पर पुलिस ने 30 लाख रुपये होल्ड करा दिए हैं, जिससे रकम वापस मिलने की उम्मीद बनी हुई है। मूल रूप से शाहजहांपुर निवासी आलोक दुबे बरेली के आशीष रॉयल पार्क में रहते हैं और साझेदारी में एक निजी स्कूल का संचालन करते हैं। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी को अंश कुमार नाम के व्यक्ति ने उन्हें फोन कर शेयर बाजार में निवेश पर भारी मुनाफे का लालच दिया। भरोसा जीतने के बाद उसने व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर एसएमसी ब्रोकिंग नाम की एक एप डाउनलोड कराई और केवाईसी कराकर निवेश शुरू करा दिया। शुरुआत में एप पर निवेश और लाभ की रकम दिखाई जाती रही, जिससे आलोक को विश्वास हो गया। बाद में जब उन्होंने पैसा निकालना चाहा तो ठगों ने रकम फ्रीज होने का बहाना बना दिया। इसके बाद उन्हें एक दूसरी एप डाउनलोड कराई गई, जिसमें उनकी जमा रकम दिखाई तो दे रही थी, लेकिन निकासी संभव नहीं थी। ठगों ने कमीशन, जीएसटी और अन्य शुल्कों के नाम पर भी लगातार पैसे ऐंठे। 26 जनवरी से 26 अप्रैल के बीच आलोक दुबे से कुल 49,43,898 रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। जब कोई पैसा वापस नहीं मिला और संपर्क टूट गया, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। साइबर क्राइम थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 लाख रुपये संबंधित खातों में होल्ड करा दिए। पुलिस का कहना है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह राशि पीड़ित को वापस दिलाई जाएगी। मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मोदी के 12 साल पूरे, नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा

लगातार सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बने मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में नया इतिहास रचते हुए लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 4,399 दिन का कार्यकाल पूरा कर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जनसेवा और सुशासन ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा संदेश में कहा कि जनता का विश्वास वही व्यक्ति जीत सकता है, जो विनम्रता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निरंतर कार्य करता है।

26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले मोदी अब लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके नेतृत्व की सराहना की। वहीं कई विदेशी नेताओं ने भी शुभकामनाएं देते हुए इसे जनविश्वास और प्रभावी नेतृत्व का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर भूटान के प्रधानमंत्री त्सेरिंग टोबगे ने भावुक पत्र लिखकर उन्हें बधाई दी। उन्होंने मोदी को अपना "दोस्त, भाई और मार्गदर्शक" बताते हुए भारत–भूटान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका की सराहना की।

देश–विदेश से मिली बधाई

चंद्रबाबू नायडू ने पेश किया मोदी के अभिनंदन का प्रस्ताव

भूटान ने जताया स्नेह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में एनडीए की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री मोदी के अभिनंदन का प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की उपलब्धि के सम्मान में रखा गया। बैठक में भाजपा और एनडीए के कई वरिष्ठ नेता, मुख्यमंत्री तथा सहयोगी दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान सरकार की उपलब्धियों, विकास योजनाओं और आगामी राजनीतिक रणनीति पर भी चर्चा की गई।

500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार

मसूरी हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के मसूरी में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। झड़ीपानी–कोलुखेत मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और राहत–बचाव कार्य शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार सुबह कार सड़क किनारे एक दुकान पर रुकी थी। सामान खरीदने के बाद जैसे ही यात्री वाहन में बैठे, कार अचानक ढलान की ओर तेजी से लुढ़कने लगी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार गहरी खाई में गिर गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, फायर सर्विस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर

ब्रेक फेल होने की आशंका जताई

पहुंचीं। खाई की गहराई और घनी झाड़ियों के कारण रेस्क्यू अभियान में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

हादसे में सोनीपत निवासी सत्यप्रकाश, 19 वर्षीय मनीत, गाजियाबाद निवासी सविता और दिल्ली निवासी संगीता की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण ब्रेक फेल होना माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पहाड़ी मार्गों पर वाहनों की फिटनेस जांच और सुरक्षा उपायों को और सख्त करने की मांग की है।

सोना–चांदी धड़ाम निवेशकों को बड़ा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सर्राफा बाजार में सोना 4,300 रुपये टूटकर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी 10,000 रुपये सस्ती होकर 2.45 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के कारण कीमती धातुओं की मांग पर दबाव बढ़ा है। इससे सोने और चांदी के दाम में भारी गिरावट देखने को मिली। जानकारों का कहना है कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका बढ़ी है। इसके चलते ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीद कमजोर हुई है, जिससे निवेशकों का रुझान सोने और चांदी से कुछ कम हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और

सोना 4300 रुपये हुआ सस्ता

चांदी में 10 हजार की गिरावट

चांदी कमजोर रहे। वहीं घरेलू वायदा बाजार में भी दोनों धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और डॉलर की चाल पर आगे भी कीमती धातुओं के भाव निर्भर रहेंगे।

संसद में विपक्ष की ताकत घटी, बढ़ी चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में सत्तारूढ़ गठबंधन को चुनौती देने वाला इंडिया गठबंधन इन दिनों राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। सहयोगी दलों की दूरी और लगातार चुनावी झटकों के कारण विपक्षी खेमे की चिंता बढ़ गई है।

संसद में घटती संख्या को लेकर गठबंधन के नेताओं की चिंताएं बढ़ी हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कुछ दलों के भीतर असंतोष की स्थिति बनी हुई है, जिससे विपक्ष की रणनीति प्रभावित हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ सहयोगी दलों की गतिविधियों पर भी विपक्ष की नजर बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष में बिखराव की स्थिति बनी रही तो सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद में अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी हो सकती है। हाल के विधानसभा चुनावों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने से विपक्ष के भीतर नेतृत्व और रणनीति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दल

गठबंधन में एकजुटता की चुनौती

चुनावी झटकों से बढ़ी मुश्किलें

अब संगठन को मजबूत करने और सहयोगियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश में जुटे हैं। आने वाले समय में इंडिया गठबंधन के सामने अपनी राजनीतिक जमीन और एकजुटता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

मुंबई महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में उस समय हड़कंप मच गया, जब मुंबई महापौर के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई–मेल मिला। धमकी में महापौर की कार और कार्यालय के अलावा मुख्यमंत्री कार्यालय तथा बॉम्बे शेयर बाजार का भी उल्लेख किया गया है।

धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। एहतियात के तौर पर संबंधित स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की साइबर शाखा और अन्य जांच एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल पते, सर्वर लोकेशन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल कर रहे हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि यह केवल अफवाह फैलाने का प्रयास

मुख्यमंत्री कार्यालय का भी उल्लेख

सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटीं

है या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश छिपी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि धमकी देने वाले की पहचान होने पर उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और जांच जारी है।

एफआईआर रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचे खान सर

यूनिक समय, नई दिल्ली। चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कराने के लिए पटना हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने बिहार सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। खान सर ने अदालत से प्राथमिकी रद्द करने और अपने कोचिंग संस्थान को दोबारा खोलने की अनुमति देने की मांग की है। इससे पहले निचली अदालत उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा चुकी है। अग्रिम जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 20 जून को होगी।

खान सर के वकील का कहना है कि हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम की धाराएं गलत तरीके से लगाई गई हैं। उनका दावा है कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ और सुरक्षा गार्ड ने आत्मरक्षा में लाइसेंसी हथियार से हवाई फायरिंग की थी। वहीं संबंधित मामले में एक अन्य कोचिंग संचालक रौशन आनंद की जमानत याचिका निचली अदालत खारिज कर चुकी है।

जमीन के विवाद में बड़े भाई की हत्या

पैतृक संपत्ति बना खूनी संघर्ष

आरोपी भाई गिरफ्तार जांच जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के छोटा उदेपुर जिले में पैतृक संपत्ति के विवाद ने एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। खाटीयावाट गांव में पांच एकड़ जमीन और नकदी के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद के बीच छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार वडेदरा निवासी विजय राठवा अपने हिस्से की संपत्ति को लेकर बातचीत करने गांव पहुंचे थे। इसी दौरान परिवार के सदस्यों के बीच विवाद बढ़ गया। पुलिस के

अनुसार पंचायत के जरिए मामले के समाधान की चर्चा से नाराज छोटे भाई बलवंत राठवा ने गुस्से में लोहे के तार से लिपटी लाठी से विजय पर हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से विजय घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना में बीच–बचाव करने आए एक अन्य भाई के साथ भी मारपीट की गई।

वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जा रही है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द, बढ़ा सियासी घमासान

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र जांच के दौरान रद्द होने के बाद भाजपा और कांग्रेस आमने–सामने आ गई हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दावा किया कि मामले से जुड़े दस्तावेज कांग्रेस शासित तेलंगाना से सामने आए हैं। उन्होंने इसे कांग्रेस की आंतरिक कलह और संगठनात्मक कमजोरी का संकेत बताया। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बेहद जरूरी है और उम्मीदवारों

भाजपा ने कांग्रेस को घेरा, कानूनी लड़ाई की तैयारी शुरू

को शपथपत्र में सभी आवश्यक जानकारियां देना अनिवार्य है।

रिटर्निंग अधिकारी ने नामांकन इस आधार पर निरस्त किया कि शपथपत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित बताए जा रहे मामले का उल्लेख नहीं किया गया था। हालांकि कांग्रेस ने इस फैसले को गलत बताते हुए कहा कि मीनाक्षी नटराजन किसी आपराधिक मामले में आरोपी नहीं हैं।

गो-रक्षकों ने 30 किमी पीछा कर दबोचे तस्कर, पांच गोवंश मुक्त

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के गो-रक्षकों और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गो-तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया गया। गो-रक्षकों ने हाईवे पर करीब 30 किलोमीटर तक पीछा कर तस्करों की पिकअप गाड़ी को रुकवाया, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। पिकअप वाहन से पांच गोवंशों को मुक्त कराया गया।

जानकारी के अनुसार, सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स के सदस्य श्रेयस अपने

गो-रक्षकों और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार एक फरार

साथियों के साथ बुधवार सुबह करीब चार बजे जैत के पास सुनरख कट पर मौजूद थे। इसी दौरान आगरा की ओर से तेज गति से आ रही एक पिकअप गाड़ी पर उन्हें संदेह हुआ। गो-रक्षकों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ाकर भागने की कोशिश की। इसके बाद गो-रक्षकों ने अपने निजी वाहनों से पीछा शुरू कर पुलिस को सूचना दी। पीछा करने के दौरान छाता क्षेत्र में आरोपियों ने गो-रक्षकों के वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया। वहीं, पिकअप के आगे चल रही एक सैंट्रो कार तस्करों को रास्ता दिखा रही थी। कोसी रेस्टोरेंट के पास पहुंचने पर पिकअप का टायर फट गया। सामने पुलिस और पीछे गो-रक्षकों को देखकर पिकअप में सवार दो आरोपी चलती गाड़ी से कूद गए और घायल हो गए। इसी बीच सैंट्रो चालक ने भी गा-रक्षकों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन कार अनियंत्रित होकर पिकअप से टकरा गई। इसके बाद कार सवार आरोपी भागने लगे, जिनमें से एक को पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक मुनेन्द्र सिंह और पुलिस टीम ने घायलों को हिरासत में लिया, पिकअप में रस्सियों से बंधे पांच गोवंशों को मुक्त कराया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि गोवंशों को आगरा क्षेत्र के जंगलों से पकड़कर कटान के लिए नूंह (मेवात) ले जाया जा रहा था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रहीम पुत्र सब्बीर और नियाजू पुत्र सकूर निवासी बोतलगंज, थाना पिपलिया मंडी, जिला मंदसौर सहित एक अन्य आरोपी के रूप में की है।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में आस्था की भीड़

प्रमुख संवाददाता

सभी रास्ते और गलियां फुल

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नजर नहीं आ रही है। रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। हालात यह हो रहे हैं कि मंदिर जाने वाले रास्ते फुल दिखाई देते हैं। कभी-कभी यह आशंका बनी रहती है कि धक्का मुक्की और उमस भरी गर्मी के कारण कोई घटना न हो जाए। अधिक मास में शनिवार और रविवार ही नहीं बल्कि आम दिनों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है।

दिन निकलने से पहले ही श्रद्धालु ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के चबूतरा पर पहुंच जाते हैं, फिर पट खुलने का इंतजार करते हैं। जैसे ही मंदिर के गेट खुलते हैं, वैसे श्रद्धालुओं की भक्ति का नजारा देखते ही बनता है। मंदिर के आंगन में पहुंचते ही जयकारा गुंजायमान सुनाई देता है। ऐसी स्थिति दोपहर राज भोग आरती दर्शन और सायं को होती है। लोगों का कहना है कि भीड़ को देखते हुए अब प्रशासन को पंजीकरण सिस्टम लागू कर देना चाहिए। पहले पंजीकरण कराओ फिर दर्शन को आओ। इस सिस्टम से भीड़ को नियंत्रित किया जा सकता है। प्रत्यक्षदर्शी श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि सुरक्षाकर्मी ईमानदारी से ड्यूटी करें तो भीड़ को नियत्रित हो सकती है। श्रद्धालुओं को बड़े ही सहज भाव से दर्शन उपलब्ध हो सकते हैं।

वैसे तो वृंदावन स्थित ठाकुर राधाबल्लभ मंदिर, राधारमण मंदिर, निधिवन राज मंदिर, सेवाकुंज मंदिर, प्रेम मंदिर, मां वैष्णो देवी मंदिर में भीड़ दिखाई देती है।

गर्मी के बीच बढ़ी नारियल पानी की मांग

सूखे गोले के दाम 400 रुपये किलो के पार

पानी की मांग से बिगड़ रहा गोले का काम

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी के बीच कस्बों और शहर में नारियल पानी की मांग बढ़ने से इनको बेचने वाले खुश है, उनका धंधा लगातार गति पकड़ रहा है। वहीं, नारियल पानी की बढ़ती मांग से सूखे गोला का बाजार बिगड़ रहा है। भाव भी चार सौ रुपये किलो के पार हो गया है।

कस्बा और शहर के प्रमुख बाजार और सड़क किनारे लगने वाले नारियल ठेलों वालों के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताह में बिक्री में काफी वृद्धि हुई है। वर्तमान में एक नारियल 50 से 60 रुपये तक बिक रहा है। ऐसी गर्मी के बीच नारियल पानी की बढ़ती मांग का असर अब सूखे गोले की कीमतों पर दिख रहा है। जिले में जहां एक ओर नारियल पानी 50 से 60 रुपये प्रति नग तक बिक रहा है, वहीं सूखे गोले के दाम 400 रुपये प्रति किलो से ऊपर पहुंच गए हैं। मांग और आपूर्ति के असंतुलन के चलते पिछले एक वर्ष में सूखे गोले के दामों में करीब 160 रुपये प्रति किलो की बढ़ोत्तरी हुई है।

स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते नारियल पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसका सीधा असर सूखे गोले के उत्पादन और उपलब्धता पर पड़ रहा है, क्योंकि बड़ी मात्रा में नारियल पानी के लिए गीले नारियल का उपयोग हो रहा है। किराना दुकान संचालक विष्णु अग्रवाल ने बताया कि पिछले वर्ष सूखा गोला करीब 240 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था, जबकि वर्तमान में इसके दाम 400 रुपये प्रति किलो से अधिक हो चुके हैं।

नारियल पानी पीतीं महिलाएं।

गर्मी में बढ़ी नारियल पानी की बिक्री

जिले के प्रमुख बाजारों और सड़क किनारे ठेल लगाने वाले नारियल विक्रेताओं के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताह में बिक्री में काफी वृद्धि हुई है। वर्तमान में एक नारियल 50 से 60 रुपये तक बिक रहा है। दोपहर और शाम के समय सबसे अधिक ग्राहक नारियल पानी खरीदते दिखाई दे रहे हैं।

मांग बढ़ने और आपूर्ति सीमित रहने के कारण कीमतों में लगातार उछाल बना हुआ है। सूखे गोले का उपयोग मिठाई, प्रसाद, पूजा-पाठ और विभिन्न खाद्य उत्पादों में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

ऐसे में दाम बढ़ने का असर आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ मिठाई कारोबारियों पर भी पड़ रहा है। कोतवाली रोड के व्यापारी गौरव बंसल ने बताया कि बढ़ी हुई लागत के कारण उन्हें अपने उत्पादों की कीमतों में भी बदलाव करना पड़ रहा है। कुछ दक्षिण भारत और तटीय क्षेत्रों से आने वाले नारियल की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। परिवहन लागत और बढ़ती मांग के चलते बाजार में कीमतें लगातार ऊपर बनी हुई हैं। यदि मांग इसी तरह बनी रही तो आने वाले दिनों में दामों में और बढ़ोत्तरी हो सकती है।

गोपालखार क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र के गोपालखार इलाके में आगरा निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना जैत पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। मौके पर एक युवती भी मौजूद थी, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चौक बाजार क्षेत्र में चोरी का प्रयास, एक आरोपी दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र के चौक बाजार में देर रात चोरी का प्रयास उस समय विफल हो गया, जब संदिग्ध गतिविधियों की आहट से स्थानीय लोग जाग गए।

बताया गया है कि कुछ बदमाश एक प्रतिष्ठान में चोरी की कोशिश कर रहे थे। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिससे बदमाशों में भगदड़ मच गई।

इस दौरान लोगों ने पीछा कर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। पुलिस पकड़े गए आरोपित से जानकारी जुटा रही है।

बैठक में डीएम ने अफसरों को कुर्सी पर बैठे-बैठे ही कराया योग

कुर्सी पर बैठकर योग क्रियाएं करते डीएम सीपी सिंह, साथ हैं सीडीओ डा. पूजा गुप्ता।

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को डीएम चंद्रप्रकाश सिंह बैठक के दौरान योगाचार्य की भूमिका में दिखे। उन्होंने पांच मिनट के लिए काम रोक दिया। अफसरों को कुर्सी पर बैठे-बैठे योग कराया। करीब पांच मिनट तक चले इस सेशन में सभी ने हाथ ऊपर उठाकर योग क्रियाएं की और अभ्यास किया।

कलेक्ट्रेट में चल रही 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने योग गुरु बनकर केवल खुद योग नहीं किया, बल्कि बैठक में मौजूद सभी अफसरों से भी योग कराया। डीएम ने ऑफिस का तनाव कम करने के लिए अफसरों को कुर्सी पर बैठे-बैठे ही योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी और प्रशासनिक कार्यों के दबाव के बीच मानसिक शांति और शारीरिक फिटनेस के लिए योग बेहद जरूरी है।

उनके इस अंदाज की चर्चा अब हर तरफ हो रही है। इसमें योग प्रशिक्षक नीरज अरोरा द्वारा ताड़ासन, कटी-चक्रासन, अनुलोम-विलोम, स्कंध चक्रासन, उत्तान-मंडूक आसान कराया गया।

इसके बाद 15 से 21 जून तक योग सप्ताह मनाए जाने के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. डिगम्बर सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विशाल कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

पांच दिन बाद होगा अधिक मास का समापन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास का समापन होने में अब पांच दिन शेष है। कल एकादशी से अमावस्या तक वृंदावन की परिक्रमा लगाने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच जाएंगे। भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने भी कड़े बंदोबस्त किए हैं। परिक्रमा मार्ग में चार पहिया वाहन रोकने के लिए जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इन पांच दिनों में दिन के समय कुछ लोग ही परिक्रमा लगाएंगे, लेकिन सूर्य उदय से पहले और सूर्यास्त के बाद परिक्रमार्थियों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। तीन साल में पड़ने वाले पुरुषोत्तम मास के दौरान लोगों की आस्था हिलोरे मारने लगीं हैं। यह हर कोई भक्ति के सागर में डुबकी लगाने के लिए लालयित दिखाई दिया। कोई वृंदावन तो कोई गोवर्धन की परिक्रमा लगाने के लिए पहुंच रहा है। इस बीच लाखों की संख्या में लोग ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा लगाने पहुंच गए। बृज के चारों ओर राधे-राधे की गूंज सुनाई दी। वृंदावन में परिक्रमा लगाने के बाद परिक्रमार्थी प्रमुख मंदिरों में दर्शन करने के लिए जाएंगे। इसलिए मंदिरों में भीड़ रहने की उम्मीद लग रही है। ऐसे में सेवाभावी संगठन और लोग भी परिक्रमार्थियों की सेवा करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। कई लोगों की एकादशी का व्रत रखने वालों के लिए फलाहार वितरित करने की व्यवस्था की है।

एकादशी से अमावस्या तक होगी वृंदावन की परिक्रमा

सेवाभावी लोग भी परिक्रमार्थियों की सेवा को उतरेंगे मैदान में